भीम प्रज्ञा अलर्ट

गलतियों से डरना आसान है, लेकिन उनसे सीखकर आगे बढ़ना साहस का काम है। जो व्यक्ति हर बार गिरने के बाद संभलना सीख लेता है, वही जीवन की असली दौड़ जीतता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-49 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 8 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'गलतियां-हार का नहीं, जीत का प्रवेश द्वार'

जीवन की यात्रा में सबसे अधिक भय जिस शब्द से जुड़ा होता है, वह है– गलती। समाज, परिवार, शिक्षा व्यवस्था और कार्यस्थल–हर जगह हमें बचपन से यह सिखाया जाता है कि गलती करना कमजोरी है। परिणामस्वरूप हम एक ऐसे मनोविज्ञान में ढल जाते हैं जहान प्रयास से अधिक डर हावी रहता है। लेकिन सत्य यह है कि गलतियां जीवन की दुश्मन नहीं, बल्कि उसकी सबसे ईमानदार शिक्षक होती हैं। जो व्यक्ति गिरने से डरता है, वह चलना ही छोड़ देता है; और जो गिरकर संभलना सीख लेता है, वही अंततः मंज़िल तक पहुंचता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। गलती करना कोई अपराध नहीं है। अपराध है–गलती से कुछ न सीखना। जो व्यक्ति जीवन में कुछ नया करने का साहस करता है, वही गलतियों से दो-चार होता है। निष्क्रिय व्यक्ति शायद कम गलतियां करता है, लेकिन वह कभी कोई बड़ी उपलब्धि भी नहीं हासिल कर पाता। इतिहास गवाह है कि दुनिया को बदलने वाले हर व्यक्ति ने पहले असफलताओं का स्वाद चखा। वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं से लेकर सामाजिक आंदोलनों तक, हर सफलता के पीछे अनगिनत असफल प्रयास छिपे होते हैं।

आज की समस्या यह है कि हम सफलता की चमक तो देखना चाहते हैं, लेकिन संघर्ष और गलतियों के अंधेरे रास्तों से गुजरना नहीं चाहते। सोशल मीडिया और दिखावटी सफलता की संस्कृति ने यह भ्रम पैदा कर दिया है कि सफल लोग कभी गिरते नहीं। जबकि सच्चाई यह है कि वे बार-बार गिरते हैं, लेकिन हर बार पहले से अधिक समझदार होकर उठते हैं। गलती इस बात का प्रमाण होती है कि व्यक्ति प्रयास कर रहा है, जोखिम उठा रहा है और अपने सीमित अनुभवों से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। जब हम किसी नए कार्य की शुरुआत करते हैं, तो अनुभव की कमी स्वाभाविक है। उसी कमी के कारण गलतियां होती हैं। ये गलतियां हमें हमारी कार्यप्रणाली की खामियां दिखाती हैं, हमारी सोच को परिष्कृत करती हैं और हमें बेहतर विकल्पों की ओर ले जाती हैं। यदि हम इन गलतियों को बोझ मानकर छोड़ दें, तो विकास का मार्ग स्वयं बंद हो जाता है। लेकिन यदि हम इन्हें सीख की सीढ़ी मान लें, तो यही गलतियां सफलता की ओर ले जाने वाला रास्ता बन जाती हैं।

समस्या तब पैदा होती है जब समाज गलती करने वालों को हतोत्साहित करता है, उन पर तंज कसता है और उन्हें असफलता का तमगा पहनाता है। इससे व्यक्ति भीतर से टूटने लगता है। भय का यह वातावरण रचनात्मकता को मार देता है।

लोग सुरक्षित दायरे में जीना पसंद करने लगते हैं–न नया विचार, न नया प्रयोग, न नया साहस। ऐसे समाज में प्रगति ठहर जाती है। जबकि जीवंत समाज वही होता है जहां प्रयोग को सम्मान मिले और असफलता को सीख की तरह देखा जाए। जीवन वास्तव में एक प्रयोगशाला है। यहां हर दिन हम कुछ नया सीखते हैं–कभी सफल होकर, कभी असफल होकर। जो लोग गलतियों के डर से पिंजरे में बंद रहते हैं, वे कभी खुले आकाश की ऊंचाइयों को नहीं छू पाते। उड़ान वही भरता है जो गिरने के जोखिम को स्वीकार करता है। सफलता का मार्ग सीधा और चिकना नहीं होता; वह असफलताओं की गलियों से होकर ही गुजरता है।

यह भी समझना आवश्यक है कि गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिपक्वता की निशानी है। जो व्यक्ति अपनी गलती मान लेता है, वही उसे सुधार भी सकता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति अहंकार में अपनी गलतियों को छुपाता है, वह बार-बार वही गलती दोहराता है। इसलिए आत्ममंथन और आत्मस्वीकार जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। आज के समय में बच्चों से लेकर युवाओं तक, सभी को यह सिखाने की जरूरत है कि असफल होना जीवन का अंत नहीं, बल्कि नई शुरुआत हो सकती है। शिक्षा प्रणाली में भी गलती को दंड से नहीं, संवाद और मार्गदर्शन से जोड़ा जाना चाहिए। तभी आत्मविश्वास से भरे, प्रयोगशील और नवाचारी नागरिक तैयार होंगे।

अंततः जीवन का सार यही है–जो गिरकर संभलना सीख जाता है, वही अंत में बाज़ी मारता है। गलतियां हमें तोड़ने नहीं आतीं, वे हमें गढ़ने आती हैं। शर्त सिर्फ इतनी है कि हम उनसे भागें नहीं, बल्कि उनका सामना करें, उनसे सीखें और निरंतर आगे बढ़ते रहें। क्योंकि जीत उन्हीं की होती है, जो हर गिरावट को एक नई सीख में बदलने का साहस रखते हैं।

सरकार निकाय चुनाव के लिए तैयार:UDH मंत्री

आयोग चाहे तो फरवरी में ही इलेक्शन करवा दें, ऐसा काम नहीं बचा, जो बाधा बने

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । निकाय चुनाव पर UDH मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा- स्वायत्त शासन विभाग और राजस्थान सरकार ने अक्टूबर (2025) में ही सारी तैयारी पूरी कर ली थी। OBC आयोग की रिपोर्ट आने के बाद निर्वाचन आयोग जब चाहे निकाय चुनाव करवा सकता है। खर्रा बुधवार को सीकर में ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान में कौशल रथ फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा- निर्वाचन आयोग चाहे तो फरवरी में ही चुनाव करवा दें, राज्य सरकार और स्वायत्त शासन के स्तर पर कोई ऐसा काम नहीं बचा है, जो चुनाव करवाने में बाधा बने। सरकार और विभाग चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने कहा- केंद्र सरकार का प्रयास है कि देश का हर युवा किसी न किसी कौशल में माहिर बने। एक ऐसा वातावरण बने, जिसमें हर नागरिक स्वावलंबी बने और देश के युवा अपनी योग्यता को निखारने में कोई कोताही न बरतें और कौशल को निखारते हुए राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें।

कोहरे के कारण जयंत चौधरी कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके

कोहरे के कारण फ्लाइट डायवर्ट होने की वजह से केंद्रीय कौशल विकास राज्यमंत्री जयंत चौधरी कार्यक्रम में नहीं पहुंच सके। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी का वीडियो संदेश दिखाया गया। जयंत चौधरी ने कहा- सीकर जिले का पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह से विशेष जुड़ाव था। इसलिए यहां के लोगों को उनके स्किल डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के रथ से ट्रेनिंग के लिए चुना गया है। ग्रामीण महिला शिक्षण संस्थान में बेटियों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है।

बसें मॉडर्न उपकरणों, सुविधाओं और ट्रेंड ट्रेनर से लैस हैं

कौशल विभाग के डीजीएम संदीप कतना ने कहा- कौशल रथ युवाओं को मोबाइल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शुरू की गई एक पहल है। ये विशेष बसें मॉडर्न उपकरणों, सुविधाओं और ट्रेंड ट्रेनर से लैस है, जो डिजिटल लिट्रेसी, वित्तीय साक्षरता और उद्यमशीलता कौशल में ट्रेनिंग देंगे।

इसका लक्ष्य दूरदराज के क्षेत्रों में ग्रामीण समुदाय के महिलाओं और बच्चों को सशक्त बनाना है। यह कौशल रथ सीकर जिले में गांव-गांव में जाकर 2500 युवाओं को ट्रेनिंग देकर सर्टिफाइड करेगा। कौशल रथ से 5 दिन के ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत रोजाना 2 घंटे ट्रेनिंग दी जाएगी। उसके बाद सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

सनी लियोनी के कार्यक्रम को लेकर साधु-संतों में आक्रोश, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ शाहपुरा (भीलवाड़ा)-राजेन्द्र खटीक।

मथुरा- । धर्मनगरी मथुरा में प्रस्तावित फिल्म अभिनेत्री सनी लियोनी के कार्यक्रम को लेकर साधु-संतों में गहरा रोष देखने को मिल रहा है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस के मुख्य याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी महाराज ने इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र लिखकर कार्यक्रम को निरस्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इस प्रकार के आयोजन से मथुरा की धार्मिक मर्यादा और सांस्कृतिक गरिमा को ठेस पहुंच सकती है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है, जहां साधु-संतों द्वारा तप, भजन, साधना और पूजा-पाठ किया जाता है। ऐसे पवित्र स्थान पर फिल्मी कार्यक्रमों के नाम पर फूहड़ता और अश्लीलता को बढ़ावा देना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग जानबूझकर धार्मिक नगरी की छवि को धूमिल करने की साजिश कर रहे हैं। दिनेश फलाहारी महाराज ने यह भी कहा कि जिस अभिनेत्री का नाम कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है, वह पूर्व में अश्लील फिल्मों से जुड़ी रही हैं, ऐसे में उनका कार्यक्रम धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकता है। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के विरुद्ध बताते हुए प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की है। बताया गया है कि नए साल के अवसर पर होटल ललिता ग्रैंड और होटल दा ट्रक में यह कार्यक्रम प्रस्तावित है। साधु-संतों का कहना है कि इस तरह के आयोजनों से युवाओं पर गलत प्रभाव पड़ता है और समाज में गलत संदेश जाता है। साधु समाज ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कार्यक्रम को निरस्त नहीं किया तो वे शांतिपूर्ण आंदोलन करने को बाध्य होंगे। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पूरे मामले पर नजर रखी जा रही है।

दिनेश शर्मा फलारी श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास अध्यक्ष संत समाज छोटे पुंडरीक महाराज।

भीलवाड़ा में चल रहा ब्यूटी सैलून व स्पा के नाम पर देह व्यापार

भीम प्रज्ञा न्यूज़ शाहपुरा (भीलवाड़ा) - राजेन्द्र खटीक।

भीलवाड़ा-शहर में ब्यूटी सैलून और स्पा के नाम पर देह व्यापार संचालित किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात पुलिस ने सुनियोजित कार्रवाई करते हुए मानसरोवर झील के पास स्थित मानसरोवर ब्यूटी सैलून एंड स्पा पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान थाईलैंड की एक युवती सहित पांच युवतियां और चार युवकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि उक्त स्पा में बॉडी मसाज की आड़ में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही हैं। सूचना में विदेशी युवतियों के शामिल होने की भी जानकारी थी। इसके बाद सीओ सिटी सज्जन सिंह के निर्देशन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में निर्भया स्क्वॉड और महिला पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। योजना के तहत एक कॉन्स्टेबल को बोगस ग्राहक बनाकर स्पा में भेजा गया। वहां रिसेप्शन पर बॉडी मसाज के नाम पर पहले 500 रुपये लिए गए। इसके बाद अंदर मौजूद युवती ने अतिरिक्त सेवाओं के लिए 1500 रुपये की मांग की। तय संकेत मिलते ही पुलिस टीम ने स्पा में दबिश दी और मौके से सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया। छापे के दौरान स्पा संचालक रामरतन कुमावत निवासी शाहपुरा के कलिंजरी गेट, हाल निवासी न्यू बापूनगर के पीछे, उसका हेल्पर जगदीश प्रजापत निवासी बापूनगर, ग्वालियर निवासी होटल कर्मचारी पराग चतुर्वेदी तथा सदर थाना क्षेत्र के दांथल निवासी कैलाशचंद्र जाट को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही पांच युवतियों को पीटा एक्ट के तहत पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार पकड़ी गई युवतियों में एक थाईलैंड, तीन नई दिल्ली और एक उदयपुर की निवासी है। पराग चतुर्वेदी और कैलाशचंद्र जाट ग्राहक के रूप में स्पा में मौजूद थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्पा संचालक बॉडी मसाज की आड़ में देह व्यापार का संचालन कर रहा था। मसाज की फीस अलग ली जाती थी, जबकि अन्य सेवाओं के लिए अतिरिक्त राशि वसूली जाती थी। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

नाबालिग की बरामदगी के बाद तीसरे दिन समाप्त हुआ धरना-प्रदर्शन व भूख हड़ताल

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनू।

झुंझुनू जिला कलेक्ट के सामने चल रहा धरना-प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल का सिलसिला आज तीसरे दिन समाप्त हो गया। सारी धाम के कैलाश दास महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस द्वारा नाबालिग बच्ची को आज सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया है तथा परिजनों को बच्ची से मिलवाया गया। पुलिस की इस कार्यवाही के बाद आंदोलनकारियों में संतोष का माहौल बना। कैलाश दास महाराज के नेतृत्व में चल रहे धरना-प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल को इसके पश्चात समाप्त कर दिया गया। इस अवसर पर महाराज ने पीड़िता कमला देवी को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। आंदोलन के शांतिपूर्ण समापन पर उपस्थित जनसमूह ने पुलिस की त्वरित कार्यवाही की सराहना की।

धरना स्थल पर भीम आर्मी जिला अध्यक्ष विकास आल्हा, शेरसिंह महरमपुर, आज़ाद समाज पार्टी के नेता महेंद्र सिंह चारावास, मानसिंह बृजलालपूरा, भीम आर्मी सूरजगढ़ तहसील अध्यक्ष प्रीतम बिजौली, जिला मीडिया प्रभारी अनुराग भारु, कैप्टन मोहन लाल, एडवोकेट बजरंगलाल, बंसीधर भीमसरिया, राजवीर, ओमप्रकाश सेवदा, राधेश्याम चिरानिया, लीलाधर, हरलाल सिंह, आशीष कुमार, राजेश लालपुर, मनोज बजावा, सुरेंद्र कुमार, भूपेश, रामसिंह, किशनलाल, गोकुलचंद, बुद्धराम सैनी, संदीप पाटील, सुरेश कुमार, धर्मपाल नयासर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रहीं।

नेताओं एवं समाजसेवियों ने एक स्वर में कहा कि भविष्य में भी पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संगठित होकर आवाज उठाई जाती रहेगी। पुलिस की कार्रवाई से नाबालिग के सुरक्षित मिलने पर क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली।

पायलट बने केरल चुनाव के सीनियर ऑब्जर्वर

केजे जॉर्ज, कन्हैया कुमार, इमरान प्रतापगढ़ी को भी जिम्मा मिला

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट को पार्टी ने केरल विधानसभा चुनावों के लिए सीनियर ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। पायलट के साथ केजे जॉर्ज, कन्हैया कुमार, इमरान प्रतापगढ़ी को भी सीनियर ऑब्जर्वर का जिम्मा दिया है। पायलट सहित चारों नेता केरल विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण से लेकर चुनाव अभियान और चुनाव मैनेजमेंट पर निगाह रखेंगे।कांग्रेस ने केरल, असम, तमिलनाडु, पुद्दुचेरी, पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए नेताओं को सीनियर ऑब्जर्वर की जिम्मेदारी दी है। राजस्थान के नेताओं में केवल पायलट को यह जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले बिहार विधानसभा चुनावों में पूर्व सीएम अशोक गहलोत को सीनियर ऑब्जर्वर बनाया था। दक्षिणी राज्यों में होने वाले चुनावों में सचिन पायलट को पहले भी कांग्रेस स्टार प्रचारक और दूसरी जिम्मेदारियां देती रही है।

चिड़ावा में 11 जनवरी को निकलेगा ऐतिहासिक पद संचलन

देवस्थानों में दिया गया निमंत्रण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जिला चिड़ावा द्वारा आगामी 11 जनवरी को आयोजित होने वाले विशाल पद संचलन की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। इस आयोजन की सफलता और निर्विघ्नता के लिए स्वयंसेवकों ने बुधवार को नगर के प्रमुख आराध्य देवस्थानों में जाकर विधिवत निमंत्रण दिया। बुधवार प्रातः घोष की गूंज के साथ स्वयंसेवकों ने नगर परिक्रमा की। सबसे पहले कबूतर खाना स्थित गणेश मंदिर पहुँचकर विघ्नहर्ता को पद संचलन में पधारने और कार्यक्रम की सफलता का आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके बाद

स्वयंसेवक कल्याण प्रभु मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने मत्था टेककर आयोजन के साक्षी बनने और कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। घोष वादन के साथ निकली इस नगर परिक्रमा ने स्थानीय निवासियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। श्रद्धा और अनुशासन के साथ निकले स्वयंसेवकों को देख नगरवासियों में उत्साह नजर आया। संघ के अनुसार, यह पद संचलन राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। 11 जनवरी को होने वाले इस संचलन को 'ऐतिहासिक' बनाने के लिए जिला इकाई ने पूरी ताकत झोंक दी है। इसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल होंगे। संघ ने समस्त नगरवासियों से इस गौरवशाली अवसर पर उपस्थित रहने की अपील की है।

आजकल हाई टेक जमाने में बच्चे भी मोबाइल और कम्प्यूटर का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे कई प्रकार की बीमारियों का खतरा रहता है। इंटरनेट पर मिलने वाले रोमांचक ऑनलाइन गेम्स अब बच्चों के दिलों-दिमाग पर हावी हो रहे हैं। हर सेंकड बदलती दुनिया...और पल पल बढ़ता रोमांच.... रंग-बिरंगे थीम के साथ म्यूजिक का कॉम्बिनेशन... कंप्यूटर या फिर मोबाइल की एक छोटी सी स्क्रीन पर एक ऐसा वर्चुअल वर्ल्ड होता है, जो बड़े-बड़ों को लुभाता है. फिर छोटे बच्चों का इनकी तरफ आकर्षित होना लाजिमी है।

ऑनलाइन गेम्स अब बच्चों के दिलों-दिमाग पर हावी हो रहे हैं

दरअसल ऑनलाइन गेमिंग के दौरान स्क्रीन हर सेंकड नए अवतार में नजर आती है। रोमांच ज्यादा होता है। कई ऑनलाइन गेम्स मल्टीप्लेयर होते हैं, जिसमें अनजान बच्चे भी ग्रुप बनाकर एकसाथ गेम खेलते हैं। कई बार बच्चा इनमें खतरनाक गेमों में भी फंस जाता है।

एक-दूसरे को हराने और जीतने की होड़ में बच्चे लगातार कई राउंड खेलते रहते हैं। 10 मिनट का गेम कब घंटे-दो घंटो में बदल जाता है बच्चों को पता ही नहीं चलता और यही से शुरू होता है गेमिंग की लत। जो कि बढ़ते बच्चों के विकास के लिए बहुत बड़ा खतरा है.

इंटरनेट गेमिंग है खतरनाक

ज्यादा वक्त इंटरनेट गेम्स खेलने वाले बच्चों की फोकस करने की क्षमता कम हो जाती है।

ऐसे बच्चों का झुकाव ज्यादातर नेगेटिव मॉडल्स पर होता है। बच्चों में धैर्य कम होने लगता है।

बच्चे पावर में रहना चाहते हैं।सेल्फ कंट्रोल खत्म हो जाता है। कई बार बच्चे हिंसक हो जाते हैं।

बच्चे सामाजिक जीवन से दूर होकर अकेले रहना पसंद करने लगते हैं।बच्चे के व्यवहार और विचार दोनों पर इंटरनेट गेमिंग का असर देखा गया है। बच्चे मोटापे और डाइबिटीज का शिकार हो जाते हैं।साइकोलॉजिस्ट के मुताबिक अगर एक बार बच्चे को इंटरनेट गेमिंग की लत लग जाती है तो फिर बिना इंटरनेट के रहना बच्चे के लिए मुश्किल हो जाता है। बच्चे इंटरनेट की जिद करते ही हैं। माता-पिता के मना करने पर कई बार बच्चे आक्रामक हो जाते हैं।

अध्ययन में पाया गया है कि डिवाइस और गैजेट्स की वजह से बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है। यहां तक बच्चे डाइबिटीज का भी शिकार हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम्स खेलने वाला हर बच्चा गेमिंग लत का शिकार है लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक गेम खेलने का शौक कब आदत में बदल जाए, इसके लिए माता-पिता को बच्चे की गतिविधियों पर नजर बनाए रखना होगा।

इस प्रकार बचायें बच्चों को

माता पिता ये तय करें कि बच्चे को किस उम्र में कौन सा गैजेट/गेम या डिवाइस देना है।

नन्हे-मुन्नों को मोबाइल पर गाने ना दिखाएं। बच्चों को इंटरनेट का इस्तेमाल पढाई सम्बन्धी जरुरी काम के लिए ही करने दें।

अगर बच्चा इंटरनेट पर गेम खेलता है तो गेम्स खेलने का समय तय करें। आधे घंटे से ज्यादा इंटरनेट गेम्स न खेलने दें।

आउटडोर गेम्स को बढ़ावा दें। अगर बच्चा इंटरनेट गेम्स को ज्यादा वक्त देने लगा है तो उसे रोकें।

बच्चे इंटरनेट पर क्या करता है कौन सा गेम खेलता है उस पर नजर रखें।

तो बच्चे पर रखें नजर

अगर बच्चा रोजाना इंटरनेट पर ज्यादा वक्त बिता रहा है तो सतर्क हो जाइए। बच्चा गुमसुम रहने लगेगा और व्यवहार में बदलाव आएगा। बच्चा स्कूल और पढाई से दूर रहेगा। बच्चा सामाजिक जीवन से दूरी बनाकर अकेले रहना पसंद करेगा।

आदत की वजह से बच्चा चिड़चिड़ा हो सकता है। बच्चे का रूटीन बदल जायेगा, खाने-पीने के साथ नींद भी डिस्टर्ब हो सकती है।गेम नहीं खेलने देने की वजह से बच्चा हिंसक भी हो सकता है। अगर आपका बच्चे में ऐसे लक्षण हैं तो बिना देरी करे मनोचिकित्सक से मिलिए।

बच्चे की उम्र 10 साल से कम है तो उसे अपने साथ सुलाना चाहिए

छोटे बच्चों का मां-बाप के साथ सोने काफी आम बात है. हर माता-पिता अपने बच्चे का ख्याल रखने के लिए और उसके साथ रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए उसे एक उम्र तक अपने साथ ही सुलाते हैं। बता दें जब बच्चे अपने माता-पिता के साथ सोते हैं तो इससे वे और बेहतर तरीके से इमोशनल तौर पर उनसे जुड़ पाते हैं. बता दें अगर आपके बच्चे की उम्र 10 साल से कम है तो ही आपको उसे अपने साथ सुलाना चाहिए लेकिन अगर उसकी उम्र 10 साल से ज्यादा है तो आपको उसे कभी भी अपने साथ नहीं सुलाना चाहिए. जब आप इस उम्र के बाद भी उसे अपने साथ सुलाते हैं तो उसके मेंटल ग्रोथ पर काफी बुरा असर पड़ता है।

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा जीवन में तरक्की करे तो ऐसे में उसके अंदर आत्मविश्वास होना बेहद ही जरूरी है। जब आप अपने बच्चे को बड़े हो जाने के बाद भी अपने साथ ही सुलाते हैं तो उसमें आत्मविश्वास नहीं बन पाता है। अगर आप चाहते हैं की आपके बच्चे में आत्मविश्वास पैदा हो तो उसे एक अलग कमरा दें और बिस्तर भी। बच्चा बड़ा हो गया है तो उसे अकेले सोने के लिए प्रेरित करें। आपके ऐसा करने से वह अकेले सोने में डरेगा भी नहीं और उसमें आत्मविश्वास भी भरा रहेगा।

जब बच्चे आपके साथ सोते हैं तो उसे एक सुरक्षा का अनुभव होता है जिससे उनके मन से डर को निकलने में काफी ज्यादा समय लग जाता है। वहीं, जब बच्चा अकेले सोता है तो उसके मन से अकेलेपन का डर निकल जाता है। जब ऐसा होता है तो आपका बच्चा ज्यादा मजबूत बनता है.

बच्चों को दस साल की उम्र के बाद निजता की समझ होने लगती है। वे सभी चीजों पर ध्यान देने लगते हैं और उनके दिमाग में बातें बैठने भी लगती है। यहीं कारण है कि जब आप उसे दस साल की उम्र के बाद भी अपने साथ ही सुलाते हैं तो उसमें निजता की समझ नहीं रह जाती है। निजता के महत्व को समझने के लिए आपको उसे अकेले सुलाना शुरू कर देना चाहिए.

पढ़ाई को बोझ न समझें

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज़्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज़्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज़ का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

जुड़वा बच्चों की परवरिश के लिए मददगार साबित हो सकते है ये तरीके

इस प्रकार करें जुड़वा बच्चों की देखभाल

बच्चों को पालना आसान नहीं होता है। फिर चाहे एक ही बच्चा एक ही क्यूं ना हो। ऐसे में अगर आपका साथी भी नहीं है तो मुश्किलें थोड़ी बढ़ सकती है। पर आप परेशान ना हो। दोनो बच्चों की परवरिश के लिए आप किसी अन्य परिवारजन या दोस्त की मदद ले सकती है। हो सकता है वो रातभर आपके पास ना रूक सकते हो पर दिन में तो आपके लिए बाहर से सामान लाने और खाना बनाने जैसे कामों में मदद कर सकते है। अगर आपके लिए संभव हो तो आप आय रख लें। वो भी आपके लिए सुविधाजनक रहेगी। अभिनेत्री और गायिका जेनिफर लोपेज को अपने जुड़वा बच्चों-मैक्स और एमी की परवरिश अकेले ही कर रहीं है। ऐसी कई महिलाएं है जो अपने जुड़वा बच्चों को अकेले पाल रहीं है, उनकी परवरिश के लिए कुछ तरीके जो मददगार साबित हो सकते है।

क्लब में शामिल हो

जुड़वा बच्चों की परवरिश के लिए बाजार में कई तरह की किताबें मौजूद है, आप बच्चों के जन्म से पहले ही उनको जरूर पढ़े। ये आपको बहुत काम आएगी। साथ ही पता करे अगर आपके आसपास जुड़वा बच्चों के लिए कोई क्लब हो तो उसे ज्वाइन कर लें। ये आपकी मेहनत को भी बचाएगा साथ ही बच्चों के लिए भी बेहतर रहेगा।

धैर्य रखें

ध्यान रहें कि बच्चा एक ही क्यों ना हो तब भी उसकी परवरिश के लिए बहुत धैर्य रखना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके जुड़वा बच्चे है तो आपको ज्यादा धैर्य का रखने की जरूरत पड़ेगी। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो बहुत जल्दी आपको चिड़चिड़हट का अनुभव होने लगेगा। जो आपकी परेशानी को बांटने के अलावा कुछ नहीं करेगा। अपने मां-बाप से बात करें, उनसे टिप्स लें। आपको बहुत आसानी होगी।

कई बच्चे बड़े होने पर भी तुतलाते ही रहते हैं

छोटे बच्चे जब बोलते हैं तो सभी को उनकी बोली अच्छी लगती है। उनकी तोतली जुबान बहुत ही प्यारी लगती है। उनकी बातें इतनी मीठी लगती हैं कि दिल करता है सिर्फ सुनते ही रहें। उन्हें सुधारने का ख्याल तक किसी को नहीं आता है। यहां तकब की मां-बाप और दूसरे रिश्तेदार भी बच्चे से उसी तरीके से बातें करना शुरू कर देते हैं लेकिन एक समय के बाद ये आदत परेशानी का कारण बन जाती है।

बहुत से बच्चे ऐसे हैं जो इस आदत को छोड़ नहीं पाते और बड़े होने पर भी तुतलाते ही रहते हैं। ऐसे बच्चों को घर और समाज में कई बार शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। स्कूल में दूसरे सहपाठियों के सामने और कॉलेज में दोस्तों के साथ पर सबसे बड़ा नुकसान करियर में उठाना पड़ता है। जहां कई साक्षात्कार में ये आदत कमी के रूप में देखी जाती है। ऐसे में अगर आपके बच्चे को भी ये परेशानी है तो अभी से उस पर ध्यान दें। सबसे पहले डॉक्टर की सलाह लें, उसके साथ ही इन घरेलू उपायों को आजमाना भी फायदेमंद रहेगा। बच्चे को हरा आंवला चबाने के लिए दें। आंवले के सेवन से आवाज साफ होती है। बादाम के सात टुकड़े और उतनी ही मात्रा में काली मिर्च को पीसकर एक चटनी जैसा पेस्ट तैयार कर लें। इसमें शहद मिलाकर बच्चे को चाटने के लिए दें।काली मिर्च का सेवन भी बहुत फायदेमंद रहेगा।

फैक्ट्री में मजदूरों की मौत का मामला

भीम प्रज्ञा न्यूज़ शाहपुरा (भीलवाड़ा)-राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-भीलवाड़ा में सीताराम डेनिम कपड़ा फैक्ट्री में दो मजदूर, गजानंद गाडरी और कमलेश गुर्जर, संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। दोनों मजदूर बॉयलर क्षेत्र में कार्यरत थे और सुबह बेहोशी की हालत में मिले, जिन्हें अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया।सूत्रों की मानें तो दोनों मजदूर प्रथम मंजिल पे कार्यरत थे पर उनकी लाश तीसरी मंजिल पर मिली है जो की संधिक्त परिस्थिति दर्शाता है। प्राथमिक जांच में जहरीली गैस से दम घुटने या करंट लगने की संभावना जताई गई , लेकिन मौत का स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चला है।घटना के बाद ग्रामीणों ने हत्या का आरोप लगाया है और उचित मुहावजे की मांग के साथ जिला अस्पताल की मोर्चरी के बाहर भारी संख्या में प्रदर्शन कर रहे है। मामला रायला थाना क्षेत्र के रायसिंहपुरा का है,पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत मुक्ति मोर्चा ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

22 फरवरी को नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय पर कूच की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

बीजेपी नेताओं द्वारा कथित रूप से षड्यंत्रपूर्वक बामसेफ एवं भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अधिवेशन की अनुमति रद्द किए जाने के विरोध में तथा ओबीसी की जाति आधारित जनगणना और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा को लेकर भारत मुक्ति मोर्चा ने प्रथम चरण के तहत बुधवार को झुंझुनूं जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन भारत मुक्ति मोर्चा राजस्थान के महासचिव ओमप्रकाश सेवदा के नेतृत्व में दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बामसेफ एवं राष्ट्रीय मूल निवासी संघ का 42वां संयुक्त राष्ट्रीय अधिवेशन तथा भारत मुक्ति मोर्चा का 15वां राष्ट्रीय अधिवेशन 26 से 30 दिसंबर 2025 तक बालीयात्रा लोअर ग्राउंड, कटक (उड़ीसा) में आयोजित किया जाना था, जो ओबीसी वर्ग की जाति आधारित जनगणना को समर्पित था। महासचिव ने बताया कि अधिवेशन के लिए उड़ीसा प्रशासन से चौदह प्रकार की संवैधानिक अनुमतियां दो माह पूर्व ही प्राप्त कर ली गई थीं, लेकिन कार्यक्रम से ठीक पहले कटक जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा अनुमति रद्द कर दी गई। उन्होंने इसे देश की 85 प्रतिशत बहुजन आबादी के संवैधानिक मौलिक अधिकारों का उल्लंघन और लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया।उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, समानता और सम्मानजनक जीवन की गारंटी है। जब सरकार या प्रशासन नागरिकों के बोलने, शांतिपूर्ण सभा करने और संगठन बनाने के अधिकारों को सीमित करता है, तो यह केवल किसी संगठन पर नहीं बल्कि पूरे संविधान पर हमला होता है। यह संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का खुला उल्लंघन है।ओमप्रकाश सेवदा ने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की राजनीति ओबीसी समाज को भ्रमित रखने पर आधारित है। जाति आधारित जनगणना होने से ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या और सामाजिक-आर्थिक असमानताएं सामने आ जाएंगी, इसी डर से कटक में होने वाले अधिवेशन को षड्यंत्रपूर्वक रोका गया। उन्होंने कहा कि यदि मौलिक अधिकारों की रक्षा नहीं की गई तो संविधान केवल पुस्तकों तक सीमित रह जाएगा। ज्ञापन में राष्ट्रपति से मांग की गई कि वे स्वयं हस्तक्षेप कर अधिवेशन की अनुमति तत्काल बहाल कराएं तथा उड़ीसा राज्य सरकार के असंवैधानिक कृत्यों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि 22 फरवरी को नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय पर भारत मुक्ति मोर्चा द्वारा कूच किया जाएगा। इस अवसर पर राधेश्याम चिरानिया, लीलाधर डिग्रवाल, विकास आल्हा, मधु खन्ना, ममता गर्वा, अनीश वर्मा, सुरेश कुमार, अमन, मनोज महरिया, शेरसिंह महरमपुर, अनुराग, कैलाश दास महाराज, अंजू, किरण, बबीता कुमारी, सोमकांत, बनारसी देवी, संजू, मंजू देवी, सरिता देवी, सुनीता, गोकुल चंद्र माहिच, मोहनलाल कैप्टन, हरलाल सिंह बड़वासी, विक्रम सिंह सहित दर्जनों मूलनिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

गुरु रविदास जी के नाम से स्वागत द्वार बनाने की मांग

सेवास्तंभ व अनुसूचित जाति समाज ने प्रशासन से की अपील।

भीम प्रज्ञा न्यूज़ रेवाड़ी।

रेवाड़ी शहर में प्रस्तावित स्वागत द्वारों के नामकरण को लेकर सेवास्तंभ एवं समस्त अनुसूचित जाति समाज ने नाराज़गी जताई है। सेवास्तंभ जिला इकाई रेवाड़ी के प्रधान भगत सिंह बौद्ध ने कहा कि शहर में बनाए जा रहे स्वागत द्वारों में से किसी भी द्वार का नाम अनुसूचित जाति समाज के महापुरुषों के नाम पर प्रस्तावित न होना सामाजिक समरसता और समान सम्मान की भावना के विपरीत है। उन्होंने जिला प्रशासन एवं नगर परिषद रेवाड़ी से मांग की कि प्रस्तावित स्वागत द्वारों में से कम से कम एक द्वार का नामकरण 'संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी स्वागत द्वार' किया जाए। भगत सिंह बौद्ध ने कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी ने सामाजिक समानता, मानवता, प्रेम और भक्ति का संदेश देकर समाज को नई दिशा प्रदान की।उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी के नाम पर स्वागत द्वार का निर्माण न केवल अनुसूचित जाति समाज, बल्कि संपूर्ण समाज के लिए सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक होगा। सेवास्तंभ ने जिला प्रशासन एवं नगर परिषद से शीघ्र निर्णय लेकर जनभावनाओं का सम्मान करने की अपील की है।

पिलानी के वार्ड नंबर 26 में विधायक काला द्वारा स्वीकृत बोरिंग का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी के वार्ड नंबर 26 स्थित रानी सती मंदिर के पास विधायक कॉलोनी में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला द्वारा अनुशंसित नये नलकूप का शुभारंभ शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना कर किया गया। कार्यक्रम में सज्जन सरावग, अविनाश बुडानिया, मांगीलाल काला, लालचंद शर्मा, सीताराम , राम सिंह सैनी, सुरेंद्र, गोरूराम, सुभाष सूनिया, अखिल मित्तल, धर्मपाल नेहरा, अनिल जांगिड़, जयकरण नेहरा, कैलाश चंद्र मिश्रा, गुलज़ारीलाल, एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का निराकरण होने पर कॉलोनी निवासीयों में हर्षोल्लास का माहौल है?। उपस्थित नागरिकों ने मिलकर विधायक काला का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 9 जनवरी को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा, पंचकूला के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास परियोजना टोहाना द्वारा ब्लॉक स्तर पर महिलाओं तथा लड़कियों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना, उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। यह खेलकूद प्रतियोगिता 9 जनवरी को दमकौरा खेल मैदान में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं एवं लड़कियां उत्साहपूर्वक भाग ले सकती हैं।महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अनिता रानी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें 5 किलोमीटर साइकिल दौड़, 100 मीटर दौड़, 300 मीटर दौड़, म्यूजिकल चेयर तथा डिस्कस थ्रो शामिल हैं। सभी स्पर्धाएं निर्धारित नियमों के अनुसार निष्पक्ष रूप से संपन्न करवाई जाएंगी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने हेतु आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। प्रत्येक स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी को 21 सौ रुपये, द्वितीय स्थान पर 11 सौ रुपये तथा तृतीय स्थान पर 750 रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाए, प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक महिलाएं एवं लड़कियां अपना नामांकन अपने-अपने क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पास समय रहते अनिवार्य रूप से दर्ज करवाएं, ताकि आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न किया जा सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी प्रतिभागियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाने की अपील की गई है।

पुरोहित का बास में शहीद जगदीश प्रसाद खारिया की 9 वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

पुरोहित का बास के रताली जोहड़ी स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में शहीद जगदीश प्रसाद खारिया की नवीन पुण्यतिथि के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया शिविर में कुल 138 यूनिट ब्लड का संग्रहण हुआ शिविर में पधारे लल्लू राम खरा, पिपराली सरपंच संतोष मुंड, एडवोकेट नंदकिशोर दानोदिया, डी.ए.एस.एफ.आइ. जिला प्रभारी कृष्ण नायक आदि ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर हौसला अफजाई की शिविर में भीम आर्मी जिलाध्यक्ष एडवोकेट जयस्वामी कल्याण, मुकेश खारिया, एडवोकेट महेन्द्र वर्मा, किशोर बिकुनिया, राकेश कल्याण,महावीर नागौरिया, एडवोकेट सुनील गौड, दयानन्द खारिया, महेश रिया, कुरडा राम, रणजीत नागोरिया, नेमी रेवासा आदि उपस्थित रहें। जांगिड़, जयकरण नेहरा, कैलाश चंद्र मिश्रा, गुलज़ारीलाल, एवं गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का निराकरण होने पर कॉलोनी निवासीयों में हर्षोल्लास का माहौल है?। उपस्थित नागरिकों ने मिलकर विधायक काला का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

जेल लोक अदालत का उद्देश्य विचाराधीन बंदियों को शीघ्र न्याय दिलाना- सीजेएम गायत्री

केंद्रीय जेल 2, हिसार में जेल लोक अदालत का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के मार्गदर्शन में केंद्रीय जेल 2, हिसार में जेल लोक अदालत का आयोजन हुआ। जेल लोक अदालत की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) गायत्री ने की। इस दौरान जेल लोक अदालत में विभिन्न अदालतों में लंबित दो मामलों को रखा गया, जिनमें से एक मामले में एक विचाराधीन बंदी को रिहा किया गया तथा एक अन्य मामले में बंदी को सजा से मुक्त किया गया। सीजेएम गायत्री ने बताया कि जेल लोक अदालत का आयोजन प्रत्येक माह किया जाता है, जिसमें मामलों का निपटारा मौके पर ही जिला कारागार में किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य विचाराधीन बंदियों को शीघ्र न्याय दिलाना तथा विशिष्ट श्रेणी के मामलों में उन्हें कानूनी राहत प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जेल लोक अदालत छोटे अपराधों एवं समझौता योग्य आपराधिक मामलों के निपटारे के लिए एक प्रभावी न्यायिक मंच है। यह पहल कानूनी सहायता को बढ़ावा देने, समय पर न्याय सुनिश्चित करने और न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को मजबूत करने में सहायक है। उन्होंने यह भी बताया कि जेल लोक अदालत रिहा किए गए कैदियों के पुनर्वास तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनः शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर सीजेएम गायत्री ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण भी किया। उन्होंने विचाराधीन महिला कैदियों के संबंध में जेल प्रशासन से जानकारी ली तथा उन्हें दी जा रही सुविधाओं के बारे में पूछताछ की, जिस पर किसी भी महिला कैदी द्वारा कोई मौखिक शिकायत नहीं की गई। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फतेहाबाद की हेल्पलाइन संख्या 01667-231174 एवं टोल फ्री नंबर 1800-180-2057 पर प्रातः 9.30 बजे से सायं 5 बजे तक किसी भी कार्यदिवस में फोन के माध्यम से सभी प्रकार की कानूनी सहायता एवं जानकारी प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने जेल परिसर का भी निरीक्षण किया, जिसे साफ-सुथरा पाया गया।

देशनोक : 8 माह से फरार दुष्कर्म आरोपी ने कोर्ट में किया समर्पण, जमानत खारिज, जेल भेजा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.देशनोक।

देशनोक थाना क्षेत्र में दर्ज दुष्कर्म के मामले में पिछले 8 माह से फरार चल रहे आरोपी ने मंगलवार को नाटकीय अंदाज में न्यायालय में समर्पण कर दिया। कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 मई 2025 को पीड़िता ने देशनोक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि गीगासर निवासी सुवा महाराज उर्फ भोमाराम जाट पुत्र सुखाराम ने चाकू की नोक पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया था कि आरोपी ने घटना का अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस द्वारा उसकी तलाश जारी थी, लेकिन वह लगातार गिरफ्तारी से बचता रहा। मंगलवार को आरोपी ने स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर समर्पण किया और जमानत के लिए अर्जी प्रस्तुत की। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी और उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। मामले में आगे की कार्रवाई न्यायालय के निर्देशानुसार जारी है।लकर विधायक काला का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा बीकानेर को 300 किलोमीटर नई सड़कों की सौगात

भाजपा नेताओं ने जताया आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर संसदीय क्षेत्र के विकास को नई दिशा देते हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा लगभग 300 किलोमीटर लंबी नई सड़कों की मंजूरी दिलाए जाने पर जिले में हर्ष का माहौल है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट अशोक प्रजापत ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का आभार व्यक्त करते हुए इसे बीकानेर के आधारभूत ढांचे के लिए मील का पत्थर बताया।एडवोकेट अशोक प्रजापत ने कहा कि इन नई सड़कों के निर्माण से बीकानेर के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों की शहर से कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही इस बड़े निवेश से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। आभार व्यक्त करने के साथ ही एडवोकेट अशोक प्रजापत ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात कर एक ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में बीकानेर शहर एवं ग्रामीण अंचलों में लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा कराने तथा नई जनहितकारी योजनाओं को लागू करने की मांग की गई। एडवोकेट प्रजापत ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इन सड़कों की मांग कर रहे थे, जिसे केंद्रीय मंत्री ने प्राथमिकता देते हुए दिल्ली स्तर पर प्रभावी पैरवी कर स्वीकृत करवाया है। इस अवसर पर एडवोकेट अशोक प्रजापत एवं एडवोकेट संजय रामावत ने कहा कि अर्जुन राम मेघवाल के सतत प्रयासों से बीकानेर न केवल न्यायिक क्षेत्र में, बल्कि सड़क, रेल और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी देश के मानचित्र पर मजबूती से उभर रहा है। 300 किलोमीटर सड़कों की यह मंजूरी आने वाले समय में जिले की तस्वीर बदल देगी। मुलाकात के दौरान बीछवाल मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण गुरिया, पार्षद किशोर आचार्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने इस सौगात के लिए केंद्र सरकार एवं माननीय मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल, 9 जनवरी के आंदोलन को लेकर नीमराना में रणनीतिक बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना - स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रस्तावित 9 जनवरी के आंदोलन को लेकर बुधवार शाम नीमराना के श्रीराम प्लाजा स्थित कांग्रेस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी ने की। इसमें स्मार्ट मीटर से आम उपभोक्ताओं को हो रही परेशानियों, बढ़ते बिजली बिल और तकनीकी खामियों पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी ने बताया कि कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिल 2 से 4 गुना तक बढ़ रहे हैं। कई उपभोक्ताओं को गलत और तेज रीडिंग, तकनीकी खराबी तथा चार्जिंग के दौरान बिजली गुल होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि मीटर में लगी नॉन-रिचार्जेबल बैटरी और स्धिष्ठ लाइट से भी बिजली की खपत बढ़ रही है, जिसका सीधा आर्थिक बोझ आम जनता पर पड़ रहा है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 9 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे महावर धर्मशाला से एसडीएम कार्यालय नीमराना तक आयोजित होने वाले हल्लाबोल विरोध प्रदर्शन व ज्ञापन को पूरी ताकत के साथ सफल बनाया जाएगा। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक आमजन को आंदोलन से जोड़ने का आह्वान किया गया। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक स्मार्ट मीटर से जुड़ी जनविरोधी व्यवस्था को वापस नहीं लिया जाता, तब तक पार्टी जनहित में संघर्ष जारी रखेगी। बैठक में नगर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट वेद प्रकाश सैनी, उपाध्यक्ष संजय यादव, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद चर्खिया, सचिव राजकुमार, मीडिया प्रभारी प्रशांत शर्मा, नरेश योगी उर्फ भरतरी, जयपाल सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी ने मजदूरों को बांटे कंबल

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । भारतीय दलित साहित्य अकादमी अटरू के जिला प्रवक्ता भूपेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिरोहिया ने बताया कि इस भयंकर कड़कड़ाती भीषण ठंड में पोलीथीन पन्नी डालकर टापरी बनाकर रेलवे पटरी पर कार्य करने वाले मजदूर वर्गों के महिला मजदूरों, पुरुषों तथा बच्चों को कम्बल वितरण किये। साथ ही बाबा रामदेव वृद्ध आश्रम गायत्री नगर के वृद्धजनों को कंबल वितरण करके एवं तिल के डिब्बे जिले के जाने-माने प्रोफेसर समाज सेवक बाबूलाल निर्मल, अकादमी के राष्ट्रीय सचिव (राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित) जो पिछले 26, 27 वर्षो से वंचित उपेक्षित वर्गो के उत्थान एवं सोच में बदलाव लाने हेतु सेवारत हैं। जिनकी माताजी स्वर्गीय प्रोभोली बाई की प्रथम पुण्यतिथि पर अकादमी के सम्भागीय अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीलाल नागर व पदाधिकारियों के सानिध्य में कम्बल वितरण किए गए। इस दौरान अकादमी के जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद बैरवा, जिला विधिक सलाहकार एडवोकेट हरिश गालव, जिला कोषाध्यक्ष दिलीप गुर्जर, तहसील अध्यक्ष दुर्गा शंकर नायक, तहसील उपाध्यक्ष अजीमुद्दीन, नन्द किशोर सुमन, एडवोकेट राजकुमार निर्मल, राहुल निर्मल, दिलीप महावर आदि मौजूद रहे।

विकसित भारत जी-रामजी योजना को लेकर आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

केन्द्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू विकसित भारत जी-रामजी योजना के संबंध में पंचायत समिति सभागार में विकास अधिकारी रोमा सहारण के नेतृत्व में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में ग्राम पंचायतों के विकास अधिकारियों को योजना के उद्देश्यों एवं नवीन प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान बताया गया कि केन्द्र सरकार द्वारा विकसित भारत जी-रामजी के अंतर्गत पूर्व में नरेगा योजना में निर्धारित 100 दिवस के रोजगार को बढ़ाकर 125 दिवस किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। विकास अधिकारी रोमा सहारण ने योजना एवं अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए बैनर, पोस्टर एवं पम्पलेट ग्राम विकास अधिकारियों को वितरित किए तथा योजना के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में पंचायत समिति के सहायक अभियंता विरेन्द्र चाहर, अतिरिक्त विकास अधिकारी बनवारी लाल मीणा,लेखाधिकारी बलवीर दुकिया, अखिल राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष महबूब अली,जी राम जी योजना के ब्लॉक एमआईएस मैनेजर महेश कुमार महेश कुमार, लेखा सहायक कमलेश कुमार सहित समस्त ग्राम पंचायतों के विकास अधिकारी उपस्थित रहें।

बंजारा बस्ती के 270 वोटरों के नाम कटने पर आक्रोश, SDM कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड कार्यालय के समीप स्थित बंजारा बस्ती के निवासियों में वोटर लिस्ट की स्क्ष्र (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया के दौरान नाम शामिल न होने को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिला। बंजारा बस्ती के लगभग 270 मतदाताओं के नाम सूची से बाहर हो जाने से नाराज लोगों ने बुधवार को उपखंड कार्यालय पर एकत्रित होकर जोरदार प्रदर्शन किया और अपनी समस्या प्रशासन के समक्ष रखी। बंजारा समाज के रमेशचंद और हजारीलाल ने बताया कि समाज के लोग पिछले 30 वर्षों से इसी क्षेत्र में निवास कर रहे हैं, इसके बावजूद SIR प्रक्रिया में उनके नाम नहीं जोड़े गए। इससे समाज में गहरी नाराजगी है और लोगों को अपने मताधिकार से वंचित किए जाने का डर सता रहा है। मामले की जानकारी मिलते ही मंडावर विधायक ललित यादव बंजारा समाज के लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से संवाद कर पूरी स्थिति जानी और प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत कर नाम जुड़वाने की प्रक्रिया शीघ्र कराने का आश्वासन दिया। विधायक के आश्वासन के बाद लोगों को कुछ राहत मिली, हालांकि उन्होंने समस्या का स्थायी समाधान होने तक संघर्ष जारी रखने की बात कही। इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी, अशोक मुद्गल पूर्व सरपंच, कर्मपाल सिंह चौहान, विष्णु सोनी,एडवोकेट धर्मवीर रेवाड़िया, बाबूलाल पीटीआई, संजय यादव, रमेश, नेता देवी, गंगा देवी, हजारीलाल, श्याम, जाट, नई देवी, जगदीश, प्रेम देवी, उपमा देवी, सुमित, मीरा, महावीर, श्रवण, मांगीलाल समेत अनेक लोगों ने अपनी पीड़ा प्रशासन के सामने रखी। उपखंड अधिकारी ने भी उच्च अधिकारियों से समन्वय कर शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की और स्पष्ट किया कि जब तक उनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं जोड़े जाते, तब तक वे अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे।

मां राजुल दे महोत्सव का हुआ आयोजन

फतेहपुर में निकाली शोभायात्रा, देशभर से पहुंचे सरावगी समाज के लोग

शोभा यात्रा से शुरुआत हुईः मां राजुलदे धार्मिक महोत्सव का हुआ आयोजन, मंगल पाठ में जमकर झूमे भक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहपुर

राज वर्मा । शेखावाटी। कस्बे की सरावगी शक्ति मंदिर में नववर्ष के पहले दिन गुरूवार को मां राजुल दे धार्मिक महोत्सव का आयोजन की शुरुवात हुई, आयोजक माँ राजुल दे परिवार ट्रस्ट कोलकोता ने बताया कि इस अवसर पर माँ राजुल दे का भव्य श्रंगार कर छप्पन भोग की झांकी सजायी गई, सुबह श्री अग्रवाल दिगंबर जैन बडा मंदिर से माँ राजुल दे सरागवी शक्ति मंदिर तक भव्य शोभायात्रा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, शोभा यात्रा कस्बे के जैन मंदिर से लक्ष्मीनाथ मंदिर, मुख्य बाजार, सिकरिया चौरस्ता, आसाराम जी मंदिर, बावडी गेट बस स्टैंड होते हुए शक्ति मंदिर पहुंची। जगह-जगह शोभायात्रा का लोगों ने स्वागत भी किया। शाम को मंगल पाठन श्वेता सरावगी, दीपा सरावगी द्वारा किया गया और भजन संध्या नितिन सरावगी, दिनेश सरावगी द्वारा प्रतुति आयोजित की गई, इस अवसर पर अग्रवाल सरावगी कुल गौत्री मंदिर पुजारी मंहत चर्तुभुज स्वामी के सानिध्य में अपनी कुलदेवी की पूजा अर्चना करेंगे और अग्रवाल सरावगी समाज का स्नेह मिलन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें अनेक अप्रवासी श्रद्धालु भाग लेंगे, आयोजन समिति के पवन जैन ने बताया कि आयोजन के लिए पूरे देश से अग्रवाल सरागवी कुल गौत्र के वंशज इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए हैं। इस दौरान चंदू रामसिसरिया, विमल सरावगी, अजय जैन, अजीत जैन, दिनेश सरावगी, रवि जैन, आशीष जैन, जयप्रकाश सरावगी लक्ष्मणगढ़, ओमप्रकाश सरावगी बुमई, बनवारी लाल सरावगी, रामावतार जैन, अमर जैन, प्रदीप पारीक, सुनील देवड़ा, मधुसूदन भिंडा, रामनिवास सैनी, विनोद महला, गिरधारी चोटिया, लीलाधर जांगिड़, मनोज सहल, कमल जैन, ओमप्रकाश जाखड़, मनोज शर्मा, सुरेश शर्मा, मोनू जैन, अशोक बेचीवाल, प्रमोद जैन, सुनील बुबना , बाबूलाल झालानी सहित भक्तगण उपस्थित रहें।

जयपुर में 20 जनवरी को मनाई जाएगी भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जन्मशताब्दी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

भारतीय सैन समाज के आह्वान पर भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जन्मशताब्दी समारोह का आयोजन 20 जनवरी को जयपुर स्थित ओम बिरला सभागार में किया जाएगा। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से सैन समाज के संगठन, पदाधिकारी एवं समाजजन भाग लेंगे। भारतीय सैन सभा के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण फूलभाटी एवं मांगीलाल सैन ने बताया कि कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय, समानता और पिछड़े वर्गों के उत्थान के प्रतीक रहे हैं। उनकी जन्मशताब्दी समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में 7 जनवरी को सैन समाज की एक आवश्यक बैठक जयपुर के लक्ष्मी निवास होटल, न्यू सांगानेर रोड पर आयोजित की गई। बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।बैठक में 20 जनवरी को होने वाले जन्मशताब्दी समारोह को सफल बनाने के लिए एक कोर कमेटी का गठन किया गया। कोर कमेटी में राजेंद्र टोकसिया, श्रवण कुमार फूलभाटी, मांगीलाल सैन, नरेश कुमार सैन एडवोकेट, ओमप्रकाश सैन प्रधान, सुनील गहलोत, वर्तिका सैन, अशोक सैन मारू बगरू सहित अन्य को शामिल किया गया। बैठक में समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में जयपुर पहुंचकर समारोह को सफल बनाने का आह्वान किया गया। साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं और प्रचार-प्रसार को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय नारायणी धाम महासभा के अध्यक्ष विनोद सैन करेल, मंदिरान सैन समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष गजेन्द्र लूणिवाल, अनिल सैन सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जन्मशताब्दी को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

किसानों के सच्चे हितैषी थे पूर्व विधायक चौधरी दिलसुख राय

जनप्रतिनिधि, अधिकारी, व्यापारी व प्रबुद्ध जनों ने प्रार्थना सभा में पहुंच कर अर्पित की चौधरी दिलसुख राय को श्रद्धांजलि

खराब मौसम के कारण एयरपोर्ट से वापिस लौटे केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने वीडियो काल से अर्पित की संवेदना व श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी अंचल के लोकप्रिय जनसेवक व गरीबों, मजदूरों,किसानों के सच्चे समर्थक व देश प्रदेश में इस वर्ग की आवाज को बुलंद करने वाले पूर्व विधायक चौधरी दिलसुख राय की बुधवार को चौधरी पैट्रोल पम्प पर आयोजित प्रार्थना सभा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, व्यापारी व प्रबुद्ध जनों ने शामिल होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजित श्रद्धांजलि सभा में केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कौशल विकास उधमिता मंत्रालय तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जयंत चौधरी का आने का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था लेकिन मौसम खराब होने के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब दो घंटे इंतजार के बाद वापस लौटाना पड़ा। बाद में चौधरी ने अपने दिल्ली स्थित कार्यालय से वीडियो के माध्यम से चौधरी दिलसुख राय के परिजनों व समर्थकों को संबोधित करते हुए खेद व्यक्त किया तथा खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर इंतजार करने के बाद कार्यक्रम को ऐन वक्त पर रद्द करने की बात कहते हुए अपने कार्यालय से वीडियो के माध्यम से संबोधित करते हुए श्रद्धांजली कार्यक्रम में पहुंच नहीं पाने के लिए खेद व्यक्त करते हुए अपनी संवेदना व्यक्त की व श्रद्धांजली अर्पित करते हुए परिजनों व समर्थकों को सांत्वना देते हुए संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि चौधरी दिलसुख राय किसानों के सच्चे हिमायती थे तथा ईमानदार, सीधे सरल स्वभाव के व्यक्ति थे जिन्होंने चौधरी चरणसिंह के सिद्धांतों व विचारों को आगे बढ़ाते हुए गरीब, मजदूर व किसानों के लिए काम किया और उनके पक्षधर रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक जोगेन्द्र अवाना,सीकर यूआईटी के पूर्व अध्यक्ष व भाजपा किसान मोर्चा राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष हरिराम रणवा, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी, पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के दोहिते अभिमन्यु सिंह राजवीर, विख्यात गणितज्ञ डॉ घासीराम वर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि अधिकारी व्यापारी व प्रबुद्ध जनों ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। चौधरी दिलसुख राय के सुपुत्र अरूण चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मण्डावर में महेश सैनी और महवा में लाजपत सिंह तंवर बने कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष

लाजपत सिंह तँवर (महवा)

महेश सैनी (मंडावर)

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल । कांग्रेस संगठन ने ओबीसी वर्ग को राजनीतिक रूप से और अधिक संगठित व सशक्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मण्डावर नगर अध्यक्ष पद पर महेश सैनी तथा महवा नगर अध्यक्ष पद पर लाजपत सिंह तंवर की नियुक्ति की है। यह नियुक्तियां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष हरसहाय यादव, महवा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला तथा दौसा जिलाध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ खैरातीलाल सैनी के स्पष्ट निर्देशानुसार की गई हैं। संगठन की इस रणनीतिक पहल को आगामी चुनावी तैयारियों और जमीनी स्तर पर ओबीसी समाज की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के रूप में देखा जा रहा है। नियुक्ति आदेश जारी होते ही मण्डावर और महवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। दोनों नव नियुक्त नगर अध्यक्षों का माला व साफा पहनाकर पारंपरिक सम्मान के साथ जोरदार स्वागत किया गया और बधाइयों का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। संगठन पदाधिकारियों ने दोनों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर संगठन विस्तार, बूथ सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि ओबीसी समाज की शिक्षा, रोजगार, सामाजिक न्याय और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाए, ताकि संगठन की विश्वसनीयता और पकड़ दोनों मजबूत हों। महेश सैनी और लाजपत सिंह तंवर ने विश्वास जताया कि पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और ऊर्जा के साथ निभाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने, युवाओं और महिलाओं को जोड़ने तथा संगठन को गांव-ढाणी तक मजबूती देने के लिए वे दिन-रात काम करेंगे। स्थानीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि दोनों की नियुक्ति से क्षेत्र में संगठनात्मक गति तेज होगी और ओबीसी समाज के बीच कांग्रेस की पकड़ और मजबूत होगी।

साफ्टबाल प्रतियोगिता में ग्रामीण महिला महाविद्यालय विजेता व तोदी महाविद्यालय रही उपविजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय साफ्टबाल महिला वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में ग्रामीण महिला महाविद्यालय सीकर विजेता तथा मेजबान श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय उपविजेता रहा। इस प्रतियोगिता में कुल आठ महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतिम चरण में पुरुस्कार वितरण समारोह के दौरान पर्यवेक्षक राजेन्द्र सिंह, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत, महाविद्यालय प्रबंध समिति सचिव आशकरण शर्मा तथा प्रशासक प्रमेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा विजेता तथा उपविजेता टीमों के सभी खिलाड़ियों को ट्राफी व पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका नन्द लाल, दिवाकर, प्रमोद ,रिछपाल, सतपाल, सुखराम , भंवर व सुमन कंवर द्वारा निभाई गई। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शारीरिक शिक्षक लिछमण सिंह, सुरेन्द्र सिंह व पंकज शर्मा का विशेष योगदान रहा। डॉ एन एस नाथावत ने खिलाड़ियों को जीवन में अनुशासन के साथ हार-जीत से बिना प्रभावित हुए निरन्तर खेल में सुधार करके आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में लिछमण सिंह ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद शर्मा ने किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य, विद्यार्थी, बाहर से आने वाली टीमों के मैनेजर व खिलाड़ी उपस्थित रहे।

किशोरपुरा का प्रसिद्ध भैरुंजी मेला 14 जनवरी को

विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ होगा कुश्ती दंगल का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंवरा।

सुमेर मीणा । किशोरपुरा गांव की भैरुं घाटी में स्थित खुतड़मल भैरुंजी महाराज का मकरसंक्रांति पर्व पर लगने वाला मेला 14 जनवरी को भरेगा।आदिवासी श्री मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा ने बताया कि मेले में ऊंची कूद,लंबी कूद, कबड्डी,घुड दौड़,ऊंट दौड़ सहित कई प्रतियोगिताओं के साथ ही विशेष कुश्ती दंगल का आयोजन रखा गया है। सरपंच मोहन लाल सैनी ने बताया कि विजेताओं को ग्राम पंचायत के द्वारा पुरस्कार दिए जाएंगे। समाज सेवी राजेश खटाणा ने बताया कि कुश्ती दंगल में विजेता पहलवानों को गांव के भामाशाह सुमेर सैनी के द्वारा पुरस्कार स्वरूप नगद राशि प्रदान की जाएगी। मेले में भैरूंजी महाराज के विकास करने वाले भामाशाहों ओर विशिष्ट लोगों का सम्मान भी किया जाएगा।

लक्ष्मणगढ़ आनन्द फागण महोत्सव 27 फरवरी को

शेखावाटी अंचल सुप्रसिद्ध टीमों का होगा कंपीटिशन, प्रतियोगिता शामिल टीम को दिए जाएंगे विजेता, उपविजेता व सांत्वना पुरस्कार

संतरा देवी आनंद कुमार स्मृति शेखावाटी स्तरीय लोक कला अवार्ड से किया जायेगा सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी अंचल में सेवा, परोपकार व सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए कार्यरत व सीकर जिला प्रशासन से सम्मानित संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से आगामी 27 फरवरी को रात्रि 8 बजे से धांसू फागणिया धमाल व ढप नृत्य की शेखावाटी स्तरीय प्रतियोगिता लक्षमनगढ आनंद फागण महोत्सव आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के चैयरमेन महेश कुमार बागड़ी ने बताया कि आयोजित लक्षमनगढ आनंद फागण महोत्सव प्रतियोगिता में शेखावाटी अंचल की सुप्रसिद्ध ढप मंडल की टीमों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता व सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर शेखावाटी अंचल के लोक कलाकारों को शेखावाटी स्तरीय संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी स्मृति लोक कला अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में टीमों को आमंत्रित करने, अवार्ड के लिए चयन , निर्णायक, अतिथि व व्यवस्था व आयोजन समिति आदि का गठन किया जाएगा। समिति के मंत्री पत्रकार बाबूलाल सैनी ने बताया कि ट्रस्ट के चैयरमेन के निर्देश पर जल्द ही ट्रस्ट की मीटिंग आयोजित कर प्रतियोगिता के लिए अलग अलग जिम्मेदारी तय की जायेगी तथा प्रतियोगिता के लिए आवश्यक रूपरेखा तय की जायेगी।

घर-दुकान बंद कर बाहर जाने से पहले पुलिस को दें सूचना- एसपी सिद्धांत जैन

चोरी-नकबजनी रोकने को लेकर पुलिस की अहम एडवाइजरी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्रदेश में बढ़ती चोरी व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में यह देखने में आ रहा है कि जब परिवार किसी कारणवश घर से बाहर चले जाते हैं और घर अथवा दुकानें लंबे समय तक बंद रहती हैं, तो असामाजिक तत्व ऐसे स्थानों को निशाना बनाकर चोरी व सेंधमारी की वारदातों को अंजाम देते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस और जनता के बीच आपसी सहयोग बेहद जरूरी है। यदि आमजन सतर्क रहें और समय रहते पुलिस को सूचना दें, तो अधिकांश वारदातों को पहले ही रोका जा सकता है। एसपी सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि जब भी वे अपने घर या दुकान को बंद कर किसी कारणवश बाहर जाने की योजना बनाएं—चाहे वह कुछ घंटों के लिए हो, एक दिन या कई दिनों के लिए—तो इसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर अवश्य दें। सूचना देते समय यह भी बताएं कि वे कब से कब तक बाहर रहेंगे तथा घर या दुकान का पूरा पता क्या है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पूर्व सूचना मिलने से पुलिस को संबंधित क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरतने में मदद मिलती है। रात्रिकालीन गश्त, बीट पुलिसिंग और आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मी ऐसे बंद घरों और दुकानों पर विशेष नजर रखते हैं, जिससे चोरी या किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कई बार लंबे समय तक घर या दुकान बंद रहने की जानकारी असामाजिक तत्वों तक पहुंच जाती है, जिसका वे गलत फायदा उठाते हैं। लेकिन यदि पुलिस को पहले से सूचना हो, तो ऐसे तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा सकती है और अपराध को होने से पहले ही विफल किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है और इसका उद्देश्य केवल नागरिकों की सुरक्षा करना है। एसपी सिद्धांत जैन ने आमजन को आश्वस्त किया कि पुलिस को दी गई जानकारी को पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा और इसका उपयोग केवल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। नागरिक बिना किसी संकोच या भय के पुलिस से संपर्क कर सकते हैं।इसके साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बाहर जाते समय अपने पड़ोसियों को सूचित करें, घरों व दुकानों में मजबूत ताले लगाएं, कीमती सामान सुरक्षित स्थान पर रखें, सीसीटीवी कैमरे व अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस अधीक्षक* ने कहा कि सुरक्षित समाज की नींव जनसहयोग पर ही टिकी होती है। आमजन की थोड़ी-सी सतर्कता न केवल उनकी अपनी, बल्कि उनके परिवार और पूरे समाज की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा सकती है।अंत में उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से पुनः अपील की कि घर या दुकान बंद कर बाहर जाने से पूर्व नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर कॉल कर कंट्रोल रूम को अवश्य सूचित करें। आपकी सतर्कता - हमारी जिम्मेदारी।

रेल डाक सेवा यूनियन के मण्डलीय सचिव बने प्रदीप शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

नेशनल यूनियन रेल डाक सेवा जेपी मंडल जयपुर की कर्मचारी वर्ग स की कोटा के अल्फा रिसोर्ट में आयोजित तीन दिवसीय मीटिंग में सर्वसम्मति से पदाधिकारी चुनें गये । घोषित कार्यकारिणी में लक्ष्मनगढ हाल जयपुर निवासी व सीकर रेल डाक सेवा में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत प्रदीप शर्मा को मंडलीय सचिव चुना गया है। जबकि शिवचरण सिंह मंडलीय अध्यक्ष व ओपी लखारा को मंडलीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा को लेकर तैयारियाँ जोरों पर

(चारों जिलों की रथ यात्राओं का समापन 13 जनवरी को नवलगढ़ में)

भीम प्रज्ञा न्यूज़. नवलगढ़।)।

कमल किशोर पंवार । शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा का भव्य आयोजन नवलगढ़ में 9 जनवरी से 13 जनवरी तक किया जाएगा। इस दौरान चार जिलों की रथ यात्राओं का भव्य समापन 13 जनवरी को नवलगढ़ में होगा। इस ऐतिहासिक और प्रेरणादायी आयोजन को लेकर गायत्री शक्तिपीठ नवलगढ़ में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि गायत्री परिवार जिला झुंझुनूं के संयोजक देवेंद्र सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता गायत्री परिवार नवलगढ़ के मुख्य ट्रस्टी बृजलाल मारोठिया ने की। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाएं, रथ यात्रा मार्ग, स्वागत कार्यक्रम और जनभागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान समाजसेवी कैलाश चोटियां के नेतृत्व में गायत्री परिवार नवलगढ़ द्वारा जिला संयोजक देवेंद्र सिंह का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार नवलगढ़ के ब्लॉक प्रभारी एवं गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार दायमा ने बताया कि 13 जनवरी को चूरू उपजोन के अंतर्गत आने वाले झुंझुनूं, सीकर, चूरू और बीकानेर जिलों से गायत्री परिवार के जिला व ब्लॉक प्रभारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु नवलगढ़ में एकत्रित होंगे। यह आयोजन माताजी भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीपक के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष महत्व रखता है। बैठक में ट्रस्टी भंवर लाल जांगिड़, चिरंजी लाल सैनी, कल्याण सिंह झाझड़, समाजसेवी कैलाश चोटियां, जगदीश जांगिड़, विनोद कुमार सैनी, विकेश कुमार, भगवती प्रसाद शर्मा, रंजना शर्मा, दीपमाला शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा समाज में नैतिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का संचार करेगी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से इस पुनीत आयोजन को सफल बनाने के लिए समर्पण भाव से जुटने का आह्वान किया। यह आयोजन नवलगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे शेखावाटी अंचल के लिए आध्यात्मिक जागरण और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा का केंद्र बनेगा।

एनएसएस के स्वयंसेवक बने सरकार के 'युवा एम्बेसडर', लक्षित वर्ग तक पहुंचाएं योजनाओं की जानकारी

रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर जनसंपर्क विभाग द्वारा चल रहे अभियान के तहत बुधवार को रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय में एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और साहित्य वितरित किया गया। जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक हरि शंकर आचार्य ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए गए हैं। आमजन इनकी जानकारी ले सकें तथा इन योजनाओं का लाभ उठा सकें, इसके मद्देनजर इनका प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार की युवा कल्याण से जुड़ी योजनाओं के बारे में बताया और कहा कि युवा कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आचार्य ने कहा कि एनएसएस के स्वयंसेवक सरकार की इन योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचाने में भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि सेवा का संकल्प लेकर चलने वाले स्वयंसेवक सरकार के युवा एम्बेसडर के रूप में कार्य करें तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इस साहित्य का वितरण करने के साथ योजनाओं के बारे में जानकारी साझा करें। नेशनल कॅरियर काउंसलर डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली ने एनएसएस के उद्देश्यों और युवाओं से अपेक्षा के बारे मे बताया। उन्होंने कहा कि एनएसएस का स्वर्णिम इतिहास रहा है। आज के दौर में सेवा प्रकल्पों में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कॅरियर से जुड़ी विभिन्न जानकारी साझा की। युवाओं से सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनंत किशोर जोशी ने सात दिवसीय शिविर की रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने स्वागत उद्बोधन दिया। साथ ही महाविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रितेश व्यास ने किया। इस दौरान महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

योगाभ्यास से हुई शुरुआत

राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के शिविर के तीसरे दिन की शुरूआत योगाभ्यास से हुई। स्वयंसेवकों ने श्रमदान कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिसर की सफाई का कार्य किया। 'राष्ट्रीय सेवा योजना एवं युवा विषय' पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। अंतिम सत्र में स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रीतेश व्यास एवं महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. शराफत अली, डॉ. पीयूष किराडू, श्रीमती सुनीता लूणिया, अन्जुमन उस्ता, राजश्री सुथार, चेतना ओझा, मोहिता सिंह एवं राकेश रंगा के नेतृत्व में राजस्थान राज्य अभिलेखागार का भ्रमण किया। राजस्थान राज्य अभिलेखागार के वरिष्ठ सहायक डॉ. मनीष मोदी ने स्वयंसेवकों को आवश्यक जानकारी प्रदान की।

गुरुकुल शिक्षा ही भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की आधारशिला, लाल बहादुर खोवाल

गुरुकुलों से निकलकर समाज और देश को दिशा दे रहे हैं संस्कारवान ब्रह्मचारी- लाल बहादुर खोवाल

आधुनिक चुनौतियों के बीच गुरुकुल शिक्षा पद्धति ही युवाओं को सही मार्ग दिखा रही हैः लाल बहादुर खोवाल।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/टोहाना।

रजत विजय रंगा । गुरुकुल आर्य नगर संस्कृत विद्यापीठ में आयोजित छह दिवसीय शीतकालीन शिविर का समापन बड़े उत्साह, अनुशासन और वैदिक संस्कृति की गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। गुरुकुल के मंत्री लाल बहादुर खोवाल, अधिवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के समापन अवसर पर गुरुकुल के सभी ब्रह्मचारियों द्वारा योगासन प्रदर्शन, सेल्फ डिफेंस डेमो, पंचिंग डेमो, लाठी डेमो, श्लोकोच्चारण, देशभक्ति गीत एवं संस्कृत संभाषण का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया।इस अवसर पर जूडो कोच रोहतास द्वारा ब्रह्मचारियों को आत्मरक्षा की विशेष ट्रेनिंग प्रदान की गई। साथ ही वार्षिक खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गुरुकुल कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। गुरुकुल के मंत्री लाल बहादुर खोवाल, अधिवक्ता ने बताया कि गुरुकुल आर्य नगर संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 1964 में की गई थी और तब से लेकर आज तक इस गुरुकुल से शिक्षित ब्रह्मचारी देश-समाज में विद्वान, राजनेता, समाजसेवी एवं राष्ट्रसेवक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जिससे गुरुकुल आर्य नगर का नाम देश-विदेश में गौरवान्वित हो रहा है। खोवाल ने बताया कि गुरुकुल शिक्षा पद्धति भारतीय संस्कृति की रीढ़ है, जहाँ केवल किताबी ज्ञान नहीं बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों का विकास किया जाता है। आज के भौतिकवादी युग में गुरुकुल ही ऐसे संस्थान हैं जो युवा पीढ़ी को नशा, अपराध और कुसंस्कारों से दूर रखते हुए श्रेष्ठ नागरिक बनाने का कार्य कर रहे हैं। शिविर के दौरान विद्यार्थियों का मार्गदर्शन राम कुमार आर्य, डॉ. सुदामा शास्त्री (वैदिक प्रवक्ता), जगत पाल शास्त्री, आचार्य सत्यवान शास्त्री, सुरेश कुमार शास्त्री, शैलेंद्र कुमार शास्त्री, अश्वनी शर्मा, सुनील कुमार, ब्रह्मचारी दीप कुमार सहित अनेक विद्वानों द्वारा किया गया। सभी वक्ताओं ने छात्रों को महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को समाज व राष्ट्रहित की सेवा में समर्पित करने का आवाहन किया। मंच संचालन सुरेश कुमार शास्त्री ने किया। समापन समारोह में गुरुकुल के मानद कुलपति आचार्य पंडित रामस्वरूप शास्त्री, कार्यकारी प्रधान श्री रामकुमार आर्य, उप मंत्री रामफल वर्मा, कंबोज सभा के प्रदेश अध्यक्ष देसराज कंबोज, महेंद्र आर्य, पूर्व डिप्टी डीईओ सत्यव्रत आर्य, करण शर्मा, रमेश शास्त्री, विनोद सहित अनेक पदाधिकारी, अध्यापक एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

खाली पड़े पांडाल में शुरू हुआ राज्य-स्तरीय-युवा और खेल-महोत्सव उद्घाटन में नहीं पहुंचे खेलमंत्री; विजेताओं को मिलेगा राजस्थान आइकॉन अवार्ड

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राज्य स्तरीय युवा और खेल महोत्सव-2026 का शुभारंभ बुधवार को सवाई मानसिंह (एसएमएस) स्टेडियम में हुआ, लेकिन उद्घाटन समारोह उम्मीद के मुताबिक उत्साह नहीं दिखा सका। कार्यक्रम स्थल पर पांडाल लगभग खाली नजर आया, जिससे महोत्सव का आगाज फीका रहा। तय कार्यक्रम के अनुसार महोत्सव का उद्घाटन खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ को करना था, लेकिन उनके नहीं पहुंचने से आयोजन की चमक कम पड़ गई। खेल मंत्री की अनुपस्थिति के बाद खेल राज्य मंत्री केके विश्नोई ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए खेल और युवा शक्ति को राज्य के विकास की रीढ़ बताया और युवाओं से खेल व नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

खेल महोत्सव 7 से 12 जनवरी तक

राज्य स्तरीय युवा एवं खेल महोत्सव 7 से 12 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन राजस्थान युवा बोर्ड, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार के तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन समिति से जुड़े डॉ. नीरज के. पवन ने बताया कि स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में बजट घोषणा 2025-26 के बिंदु संख्या 13 की क्रियान्विति के तहत इसे युवा एवं खेल महोत्सव सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है।

डॉ. अंबेडकर छात्रावास के निर्माण हेतु 50 हजार रुपए का सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

अनुसूचित जाति-जनजाति मानव कल्याण संस्थान, बीकानेर द्वारा पॉलीटेक्निक कॉलेज के पास डॉ. अंबेडकर छात्रावास का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में समाजसेवा की एक प्रेरणादायी मिसाल उस समय देखने को मिली जब कुचौर आथुनी निवासी स्वर्गीय पुरखा राम पंवार की 8वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित सत्संग में उनके पुत्रों ने छात्रावास निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया।स्वर्गीय पुरखा राम पंवार के पुत्र किशनलाल पंवार एवं सुमेरचंद पंवार, जो मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, ने अपने पिता की स्मृति में 50 हजार रुपए का सहयोग देने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने 25 हजार रुपए की नगद राशि संस्थान के सचिव सोहनलाल गोयल को सौंप दी, जबकि शेष राशि शीघ्र प्रदान किए जाने की बात कही।संस्थान सचिव सोहनलाल गोयल ने पंवार परिवार द्वारा किए गए इस अनुकरणीय सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सत्संग में उपस्थित समाजबंधुओं से अपील की कि वे अपने परिवार के विभिन्न समारोहों जैसे विवाह, मायरा, जन्मदिन अथवा अन्य शुभ अवसरों पर डॉ. अंबेडकर छात्रावास के लिए अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करें, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए बेहतर आवास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। पंवार परिवार का यह योगदान समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायी उदाहरण माना जा रहा है।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना जाखल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ढाई लाख रुपये की लूट मामले में सह-आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में नशे और अपराध रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जाखल पुलिस ने एक गंभीर लूट मामले में सह-आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना जाखल प्रभारी उप निरिक्षक सुरेश ने बताया कि शिकायतकर्ता बिल्लु सिंह पुत्र गुरतेज सिंह निवासी बलरा ने बताया कि वह और उनका साथी कर्मचारी सेवक सिंह ढाई लाख रुपये लेकर मोटरसाइकिल से गैस एजेंसी का पैसा जमा कराने जा रहे थे। तभी दो अज्ञात हमलावरों ने उनकी आंखों में लाल मिर्च डालकर और पिस्तौल दिखाकर बैग छीना और मौके से भाग गए। जिस पर थाना हजा में मामला 149/2022 धारा 379-B, 120-B IPC & 25-54-59 ARMS ACT के तहत मामला दर्ज कर एक आऱोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था । अब इसी मामले में सहआरोपी गुरप्यार सिंह उर्फ गुरी उर्फ काला पुत्र पाल सिंह निवासी बालरा को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच जारी है।

टोहाना के वरिष्ठ अधिवक्ता, एडवोकेट अमित सैनी भीम आर्मी (लीगल विंग) के जिला फतेहाबाद प्रभारी व जिला संयोजक नियुक्त

एडवोकेट अमित सैनी ने प्रदेश अध्यक्ष ध्रुव कुमार फरीदाबाद व प्रदेश प्रवक्ता व उत्तरी जोन प्रभारी एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा का आभार प्रकट किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । राष्ट्रीय भीम आर्मी (लीगल विंग)के राष्ट्रीय चैयरमेन व सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया नई दिल्ली के अधिवक्ता मोहन श्याम आर्य,प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार फरीदाबाद व भीम आर्मी लीगल विंग के वरिष्ठ नेता, हरियाणा उत्तरी जोन प्रभारी व प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने टोहाना के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट अमित सैनी को जिला फतेहाबाद का भीम आर्मी लीगल विंग का जिला संयोजक व जिला प्रभारी नियुक्त किया है। भीम आर्मी लीगल विंग हरियाणा के हर जिले में ज़िला प्रभारी व संयोजक की नियुक्ति कर उन्हें जिला भर में नई कार्यकारिणी बनाने का अधिकार भी देगी ताकि भविष्य में अधिवक्ताओं के हितों की लड़ाई मजबूती के साथ भीम आर्मी लीगल विंग लड़ सके। अपनी नियुक्ति पर टोहाना के वरिष्ठ एडवोकेट अमित सैनी ने भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चन्द्र शेखर आजाद व सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह अधिवक्ताओं के हित के लिए भीम आर्मी लीगल विंग के माध्यम से अपनी सेवाएं पूरी निष्ठापूर्वक व ईमानदारी से देता रहूंगा।

104 जननी एक्सप्रेस सेवा बंद:एम्बुलेंस सेवा कंपनी का सर्विस कॉन्ट्रेक्ट खत्म; सरकार ने अब 108 एम्बुलेंस से गर्भवती को हॉस्पिटल पहुंचाने के दिए आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश में गर्भवती महिलाओं को घर से सरकारी हॉस्पिटल तक ले जाने के लिए शुरू की 104 जननी एक्सप्रेस सेवा (एम्बुलेंस) अब बंद हो गई है। ऐसे में अब आमजन 108 पर कॉल करके गर्भवती और प्रसव (डिलीवरी) बाद महिला को लाने, ले-जाने की सर्विस लेनी पड़ेगी। हृ॥रू निदेशक ने इसके लिए 108 की टेलीकॉल सर्विस देने वाली कंपनी को ये आदेश दिए है।दरअसल 104 जननी एक्सप्रेस सेवा का संचालन का जो कॉन्ट्रेक्ट था वह मॉर्डन इमरजेंसी सर्विसेज के पास था। इस कंपनी का कॉन्ट्रेक्ट पिछले महीने 10 दिसंबर को खत्म हो गया। इस सर्विस के जरिए प्रदेशभर में 600 एम्बुलेंस संचालित की जाती थी। इन एम्बुलेंस में गर्भवती महिला को घर से हॉस्पिटल ले जाने और प्रसव के बाद उसे वापस घर लौटाने की सुविधा दी जाती थी। लेकिन पिछले कुछ दिनों से अब ये सर्विस बंद हो गई। इस कारण कुछ दिनों से गर्भवती महिलाओं को एम्बुलेंस की सेवाएं नहीं मिल रही। इसे देखते हुए अब नेशनल हैल्थ मिशन (हृ॥रू) ने अब 108 एम्बुलेंस सेवा पर इस सर्विस को टेम्प्रेरी तौर पर शुरू करने के आदेश दिए है।

साइबर राहगीर' प्रोग्रामः वुशु अकेडमी में पुलिस ने खिलाड़ियों को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर, 'डिजिटल अरेस्ट' से बचने की दी सलाह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे 'जन-जागरूकता अभियान' के तहत आज एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना साइबर सेल फतेहाबाद की टीम ने 'साइबर राहगीर' प्रोग्राम के तहत वुशु अकेडमी, बोद्धिधर्मन में छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल अरेस्ट और नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया। साइबर सुरक्षा और डिजिटल अरेस्ट पर विशेष सत्र*: थाना साइबर सेल के एस.आई. सतीश और महिला सहायक उपनिरीक्षक सुनीता के कुशल नेतृत्व में पुलिस टीम ने अकेडमी के युवाओं को वर्तमान में बढ़ रहे साइबर खतरों की जानकारी दी। खिलाड़ियों को विशेष रूप से 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए फ्रॉड के बारे में विस्तार से समझाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ठग अक्सर वीडियो कॉल के माध्यम से खुद को जांच अधिकारी बताकर डराते-धमकाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ्तार नहीं करती। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए। नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवनशैली*: साइबर सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस टीम ने खिलाड़ियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया। उन्हें प्रेरित किया गया कि वे खेलों के माध्यम से देश का नाम रोशन करें और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। निरंतर जारी रहेगा अभियानः महिला एएसआई सुनीता ने कहा कि साइबर थाना फतेहाबाद आमजन की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। युवाओं को जागरूक करने का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा ताकि समाज को सुरक्षित और अपराध-मुक्त बनाया जा सके।। समापन समारोह में गुरुकुल के मानद कुलपति आचार्य पंडित रामस्वरूप शास्त्री, कार्यकारी प्रधान श्री रामकुमार आर्य, उप मंत्री रामफल वर्मा, कंबोज सभा के प्रदेश अध्यक्ष देसराज कंबोज, महेंद्र आर्य, पूर्व डिप्टी डीईओ सत्यव्रत आर्य, करण शर्मा, रमेश शास्त्री, विनोद सहित अनेक पदाधिकारी, अध्यापक एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

भोपाल (एजेंसी)। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने रविवार (4 जनवरी) को एक रिलीज़ जारी की, जिसमें बोर्ड ने कहा कि उसने ICC से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि भारत में होने वाले इस शॉर्टेस्ट-फॉर्मेट मेगा-इवेंट के ग्रुप C के मैच कहीं और शिफ्ट कर दिए जाएं। लेकिन मंगलवार रात (6 जनवरी) को ESPNCricinfo की एक रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने BCB की रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है।

यह फैसला दोनों बॉडीज़ के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें ICC ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने BCB से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे, जिसमें पॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, BCB सूत्रों ने कहा है कि उन्हें अभी तक रिजेक्शन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।

यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और BCB के बीच तनाव में तेज़ी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज़ कर दिया गया था। BCCI ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण 'चारों ओर के घटनाक्रम' बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।

मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, BCB ने स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में ICC को लिखकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें BCB के डायरेक्टर फारूक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत ICC इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का ज़िक्र किया।

जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले IPL सीज़न के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पहले बात करते हुए, फारूक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं।

इस बीच, मुस्तफिजुर तेज़ी से आगे बढ़ गए हैं, IPL से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि ICC का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है, और BCB ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी तय हो गयी है। अर्जुन अपनी मंगेतर सानिया चंडोक के साथ शादी करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार शादी समारोह मार्च 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसर अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य्, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के कुछ लोग ही शामिल रहेंगे। अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में हुई थी। इस खास अवसर पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। अर्जुन की सगाई की पुष्टि खुद सचिन तेंदुलकर ने एक कार्यक्रम में की थी।

अर्जुन की होने वाली दुल्हन सानिया एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से संबंध रखती हैं। वह मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद वह गोवा की ओर से एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खेलते हैं। अर्जुन, को हाल ही में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीद लिया है।

स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

सिडनी (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे।

ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे। इस मैच में स्टोक्स 27.4 ओवर फेंकने के बाद पवेलियन लौट गए। यही कारण है कि वे समय पर बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

सिडनी टेस्ट में बेथेल की शतकीय पारी के बाद भी इंग्लैंड पर हार का खतरा बरकरार

सिडनी (एजेंसी)। एशेज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शिकंजा कस दिया है। ऐसे में अंतिम दिन इंग्लैंड की हार तय नजर आती है। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में भी मेजबान कंगारु गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 302 रनों पर ही उसने अपने 8 विकेट खो दिये हैं। केवल जैकब बेथेल ने ही शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की हार टाली। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बेथेल 142 रनों पर खेल रहे थे जबकि मैथ्यू पॉट्स अपना खाता नहीं खोल पाये थे।

इंग्लैंड की अब तक इस मैच में बढ़त केवल 119 रनों की है। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 567 रनों पर आउट हुई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 167 रन की बढ़त मिली। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। अब देखना होगा कि अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज कितने रन बना पाते हैं।

चौथे दिन का आकर्षण बेथेल की बल्लेबाजी रही। अब देखना होगा कि वह अंतिम दिन कितने रन बनाते हैं। बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जा रही सिडनी की पिच पर दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे बेथेल ही मैदान पर टिक पाये। इस बल्लेबाज ने 232 गेंद पर 15 चौकों की मदद से नाबाद 142 रन बनाए हैं। उनकी बेन डकेट 42 के साथ दूसरे विकेट के लिए 81, हैरी ब्रूक 46 के साथ 102, और जेमी स्मिथ 26 के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 45 रन की साझेदारी की। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये।

बेथेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एशेज में 2001 के बाद शतक लगाने वाले इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जोनाथन ट्रॉट के अलावा माइकल वॉन और मार्क बुचर के नाम है।

सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर रन बनाने पर ध्यान दें : पोंटिंग

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने अगले माह शुरु होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जरुरी सलाह दी है। पोटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर अपना स्वाभाविक खेल खेलें। सूर्या पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम जीतती रही है पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे वह दबाव में हैं। इसी को देखते हुए पोंटिंग ने कहा कि वह विकेट का डर छोड़कर खेलें। रन अपने आप आयेंगे। सूर्यकुमार दो साल पहले तक टी20 में नंबर एक स्थान पर थे पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग भी नीचे आयी है। पिछले साल वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये हैं। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। जिसको देखते हुए फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार का पिछले कुछ समय से लय में नहीं होना परेशान करने वाली बात है। वह लंबे समय से भारतीय टीम के टी20 में महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'सूर्यकुमार छह, आठ या दस गेंद खेलने के बाद ही अपना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हैं। वह अपने पर भरोसा रखते हैं और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान देते हैं।'

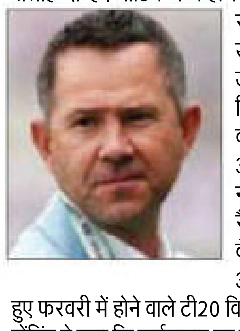

अंडर-19 एकदिवसीय : वैभव ने दक्षिण अफीका के खिलाफ 10 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया

बेनोनी । भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफ्रीका की अंडर-19 क्रिकेट टीम साथ जारी तीसरे एकदिवसीय मैच में 10 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। वैभव ने अपनी पारी में चौके से ज्यादा छक्के लगाए। दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वैभन ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी शुरु की। आरोन जहां आराम से खेल रहे थे, वहीं वैभव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए तेजी से शतक लगाया। वैभव ने 74 गेंद पर 10 छक्के और 9 चौकों लगाकर 127 रन बना दिये। इस बल्लेबाज ने 63 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली। वैभव ने पिछले मैच में भी मात्र 24 गेंद पर 10 छक्के और एक चौका लगाते हुए 68 रन बनाये थे। गौरतलब है कि साल 2025 में आईपीएल में डेब्यू के बाद से वैभव अपने आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जा रहे हैं। वैभव ने हर प्रारुप में तेज पारियां खेली हैं। आईपीएल में उनके नाम केवल सिर्फ 35 गेंद पर शतक का रिकार्ड है। वैभव ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से भी शतक लगाए हैं।

मलेशिया ओपन: पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर (एजेंसी)। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी।

चोट के बाद दमदार वापसी

सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी BWF वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड मजबूत

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

दूसरे गेम में दिखा असली संघर्ष

पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अगली चुनौती: टोमोका मियाजाकी

अब सिंधू का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी को अगले दौर में जगह तब मिली, जब वह मुकाबले में 21-19, 2-1 से आगे चल रही थीं और उनकी दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी सिम यू जिन चोट के कारण मैच से हट गईं।

मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी बाहर

इस बीच, विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में वे अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

भारतीय टीम को भविष्य में हराना काफी कठिन रहेगा : गार्डनर

मुंबई। 9 जनवरी से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर के अनुसार जिस प्रकार से हाल में भारतीय टीम ने खेला है उससे वह पहले से काफी बेहतर हो गयी है। एकदिवसीय विश्वकप में टीम की जीत से भी ये साबित हुआ है। ऐसे में आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट में उसे हराना काफी कठिन रहेगा। गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी लगाकर अच्छा होता जा रहा है। गार्डनर प्रीमियर लीग के लिए गुजरात टाइटंस टीम में शामिल हैं। इस खिलाड़ी के अनुसार भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के कारण में इससे दबाव में हूं पर जिस प्रकार से यहां महिला लीग शुरु होने के बाद खेल का तेजी से विकास हुआ है वह सुखद है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है पर ये स्थान वह अधिक समय तक बरकरार नहीं रख पायेगी। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत को तय करते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जाएंगे। भारत से सेमीफाइनल में मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी काफी अच्छी है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में गार्डनर के अलावा बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे अन्य विदेशी खिलाड़ी खेल रही हैं। गार्डनर ने कहा कि इसमें भाग ले रही विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक दबाव रहना स्वाभाविक है।

टीम20 विश्वकप में भारतीय हालातों के अनुभवों का लाभ मिलेगा : डीकॉक

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डीकॉक की नजरें अब अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट पर लगी हैं। डीकॉक ने कहा है कि उन्हें भारतीय हालातों में खेलने का लंबा अनुभव है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने कहा मैंने कई बार भारत का दौरा किया है, ऐसे में अगर मुझे सफलता नहीं मिली तो इसमें कोई गलती होगी। संन्यास से वापसी करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि वह बिना किसी मानसिक दबाव के उतरते हैं जिसका लाभ उन्हें मिलता रहा है। डीकॉक ने टेस्ट और एकदिवसीय से संन्यास लेने के बाद अक्टूबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ टी20 मैच से वापसी की थी। वह 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद से इस प्रारूप से बाहर रहे हैं जिससे उनके करियर पर सवाल उठते रहे हैं। डीकॉक ने यहां एसए20 मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी किसी तरह के दबाव के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हूं, फिर चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की इनामी राशि बढ़ी

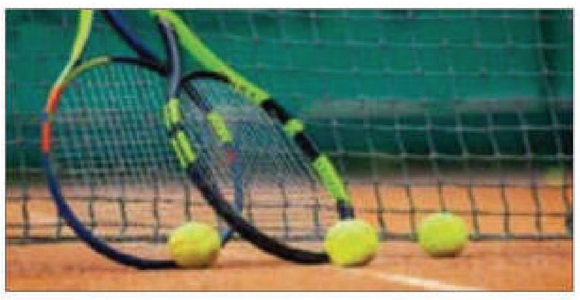

मेलबर्न । 18 जनवरी से शुरु होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले आयोजकों ने इसकी इनामी राशि बढ़ा दी है। इसकी पुरस्कार राशि 16 फीसदी बढ़ाई गई है। ऐसे में अब कुल इनामी राशि बढ़कर 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (तकरीबन 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पहुंच गई है। यह अब तक की इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। अब पुरुष और महिला एकल वर्ग में जीतने वालों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पुरस्कार राशि दी जाएगी। ये पिछले साल 2025 की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। वहीं क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 16 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। आयोजकों के अनुसार मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। इस कदम से सभी प्रतियोगियों को लाभ मिलने के साथ ही टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए आयोजकों ने सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरुरी इंतजाम किये हैं। आयोजकों का माना है कि पुरस्कार राशि बढ़ने से इस टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ेगा।

डब्ल्यूपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का हुंकार, 'फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं'

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पिछले सीज़न में खिताब जीतने के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) - इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम - नए सीज़न में पूरी तरह से तैयार है और 9 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप में जीत दिलाने वाली एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर उसी प्रेरणा को बरकरार रखते हुए लीग खिताब को बरकरार रखना चाहती हैं।

हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई में मुंबई इंडियंस की प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब भी मैं मैदान पर जाती हूं, मैं अपनी टीम से कहती हूं कि मैं ट्रॉफी जीतना चाहती हूं। यह नया साल डब्ल्यूपीएल से शुरू हो रहा है, और टूर्नामेंट में उतरने को लेकर मुझमें वही ऊर्जा और उत्साह है। हमारी सोच एक जैसी है। हमने पिछले तीन सीज़न में दो ट्रॉफियां जीती हैं। और हम इस सीज़न में अच्छा प्रदर्शन करके फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में यह मेरी पहली नौकरी है, और मुझे लगता है कि यह शहर मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि जब भी मुझे यहां खेलने का मौका मिलता है, मुझे हमेशा सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह सीजन भी बहुत खास होने वाला है। मुझे बहुत खुशी है कि पिछला सीजन और पिछला साल महिला क्रिकेट के लिए कुल मिलाकर बहुत अच्छा रहा। मुझे उम्मीद है कि इस साल की शुरुआत भी इसी तरह होगी।

इस बार, टीम दो बार की विश्व कप विजेता लीसा कीथली से भी प्रेरणा लेने की उम्मीद करेगी, जो मुंबई इंडियंस के साथ अपने पहले महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन में कप्तानी संभाल रही हैं। लीसा ने महिला कोचों से बनी टीम के बारे में बताया और यह भी बताया कि यह मुंबई इंडियंस की विचारधारा और नीता एम. अंबानी के खेल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण को कैसे दर्शाता है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा किमहिला कोचों का पूरा पैनल होना मेरे लिए वाकई रोमांचक और एक नया अनुभव है। हम समर्थकों और दुनिया भर की महिलाओं को कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं को देखने का अवसर दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण से, मैं इसे और अधिक बार देखना चाहूंगी और मुझे लगता है कि अगले 10 वर्षों में आप इसे देखेंगे।

क्रिएटिविटी पर बोलीं टिस्का चोपड़ा

बॉलीवुड अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा ने साल 2025 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है। उन्होंने थ्रिलर फिल्म 'साली मोहब्बत' का निर्देशन किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी और फिल्म को मिले-जुले रिएक्शन हासिल हुए थे। अब टिस्का का ऐसा मानना है कि बॉलीवुड में क्रिएटिव नजरिए से रिस्क लेने से मेकर्स काफी घबराते हैं और वो राइटिंग पर कम ध्यान देते हैं।

हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते

बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान टिस्का चोपड़ा ने बॉलीवुड में होने वाले बदलावों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री की उन कमियों का भी जिक्र किया, जिन्हें दूर किया जाना बहुत जरूरी है। एक्ट्रेस ने कहा कि समस्या यह है कि हम फलों को पानी दे रहे हैं, जड़ों को नहीं, यानी लेखन को। काम बेहद सतही हो गया है। मैं यह नहीं कह रही कि कॉमर्शियल या कॉमेडी फिल्में नहीं बन सकतीं, लेकिन इसकी शुरुआत राइटिंग से होती है। आपको अपने लेखकों को समय देना होगा और उन्हें आइडियाज पर सोचने की आजादी देनी होगी, तभी वो कुछ क्रिएटिव सोच पाएंगे। लेकिन हम लेखकों को प्रोत्साहित नहीं करते। हम बहुत डरे हुए हैं। कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता। हम वही पुरानी चीजें थोड़े-बहुत बदलाव के साथ करते रहते हैं। दर्शक अब इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कुछ नया लाते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

कई और दिग्गज भी क्रिएटिविटी को लेकर कर चुके हैं बात

टिस्का चोपड़ा से पहले भी कई दिग्गज बॉलीवुड में लेखकों को प्रोत्साहित करने और राइटिंग में कुछ क्रिएटिव करने की बात कह चुके हैं। धुरंधर की तारीफ करते हुए अधिकांश लोगों ने फिल्म की राइटिंग और उसके तकीनीकि पक्ष की तारीफ की है। इनमें ऋतिक रोशन, सुधीर मिश्रा और राम गोपाल वर्मा जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं।

शालिनी पांडे ने की राहु-केतु पर बात

अभिनेत्री शालिनी पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म राहु केतु को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वे वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। कुछ दिन पहले फिल्म का पहला मोशन पोस्टर रिलीज किया गया था और अब मेकर्स की तरफ से इसका लेटेस्ट टीजर रिलीज किया गया है। एक्ट्रेस ने अपने किरदार पर दिलचस्प खुलासा किया।

शालिनी आप राहु और केतू के बीच फंस गई हैं?

मैं फंसी नहीं हूं। मेरा किरदार बहुत अच्छा है।

आपको इस किरदार में किस चीज ने प्रभावित किया?

डायरेक्टर विपुल सर ने जब इसे नैरेट किया तो लगा यह बहुत अलग तरह की कॉमेडी है। यह इंटेलीजेंट कॉमेडी फिल्म है। मुझे लगता है कि मेरे लिए राइटर और डायरेक्टर एक हों तो मैं भी उन पर भरोसा कर सकूं।

शालिनी, हर किरदार इंसान को काफी कुछ सिखाकर जाता है। आपको इस फिल्म ने क्या सिखाया?

यह जो किरदार है, वह बहुत लेयर्ड है। आमतौर पर लड़कियों के किरदार बहुत ब्लैक एंड व्हाइट तरीके से देखते हो। मुझे यह किरदार करते हुए बहुत फ्री फील हुआ। विपुल सर (विपुल विग) को इसके लिए शुक्रिया कि उन्होंने इस रोल को लिखा और मुझे इसे प्ले करके बहुत मजा आया।

फिल्म का नाम क्योंकि राहु केतू है, क्या आप एस्ट्रोलॉजी में यकीन रखती हैं? क्या आपने कभी ऐसा पढ़ा कि आज मेरी राशि में क्या लिखा है?

जब अच्छी चीजें होती हैं तो मैं भरोसा कर लेती हूं। बाकी मैं पढ़ती नहीं हूं। मेरी मम्मी इतनी स्वीट हैं। जब वो मेरे पास आती हैं और कुछ करने को बोलती हैं तो मैं उनकी खुशी के लिए कर लेती हूं।

क्या सोशल मीडिया पर प्रेशर फील होता है?

सोशल मीडिया और मोबाइल के साथ रिलेशनशिप अलग चीज है। मेरा और स्क्रीन का रिलेशन वहीं तक है, जहां तक मेरा काम है। मैं अपने दर्शकों से रूबरू होती हैं सोशल मीडिया से, लेकिन मैंने अपना दायरा बना रखा है। मेरा रिश्ता सोशल मीडिया से बहुत अच्छा है।

क्या आप पब्लिक का रिएक्शन देखने के लिए छिपकर हॉल में फिल्म देखने गए हो लोगों के बीच जाकर?

हर एक्टर ऐसा करता है। हमने कितने सीन लोगों के बीच जाकर देखे हैं। हर एक्टर उस हाइप के लिए जीता है। मैंने अर्जुन रेड्डी के टाइम यह बहुत किया है। यह बहुत सुंदर फीलिंग है।

आपनी फिल्म राहु केतू के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

यह बहुत इमोशनल इंटेलीजेंस फिल्म है। सब इस फिल्म के साथ कुछ न कुछ रिलेट कर सकते हैं।

जल्द रिलीज होगा कुणाल खेमू स्टारर सिंगल पापा का दूसरा सीजन

कुणाल खेमू की हालिया रिलीज वेब सीरीज सिंगल पापा को दर्शकों और क्रिटिक्स ने जमकर सराहा था। अब जल्द ही इस सीरीज का दूसरा पार्ट रिलीज होने वाला है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

नेटफ्लिक्स ने किया सीजन 2 का एलान

सोमवार को नेटफ्लिक्स ने अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली सीरीज सिंगल पापा 2 की घोषणा की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये यह जानकारी दर्शकों को दी। इसे शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने लिखा 'बधाई हो, सीजन 2 होने वाला है।' हालांकि, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अब तक इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं की।

फैंस ने की यह खास अपील

नेटफ्लिक्स की इस पोस्ट पर सीरीज के कई फैंस ने खास अपील की है। एक यूजर ने कमेंट करके लिखा, 'इस बार दया शेट्टी का रोल ज्यादा रखना..'। वहीं कई फैंस ने इस खबर पर खुशी भी जाहिर की कि इस सीरीज का दूसरा पार्ट आ रहा है। कइयों ने लिखा कि वो सीजन के लिए बेहद उत्साहित हैं।

नजर आएंगे ये बड़े कलाकार

यह सीरीज इशिता मलहोत्रा और नीरज उधवानी के जगरनॉट प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है। इसे शशंक खैतान, हितेश केवल्या और नीरज उधवानी ने ही निर्देशित किया है। सीरीज में कुणाल खेमू, प्राजक्ता कोली, मनोज पहवा, आयशा रजा, नेहा धूपिया, सुहेल नय्यर, दयानंद शेट्टी और ईशा तलवार समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

पहले सीजन में क्या थी कहानी

सिंगल पापा की कहानी एक ऐसे तलाकशुदा इंसान गौरव गहलोत की है जिसकी कार में कोई बच्चा छोड़ जाता है। इसके बाद गौरव उस बच्चे को पालना चाहता है मगर परिवार उसके लापरवाह होने की चलते उसके इस फैसले का साथ नहीं देता। आगे जाकर गौरव उस बच्चे को अकेले संभालता है। अब गौरव के जीवन में क्या नए बदलाव होंगे, यह कहानी दर्शकों को इसके दूसरे भाग में देखने को मिलेगी।

कभी खुशी कभी गम 2 के सीक्वल की तैयारी में करण जौहर!

कभी खुशी कभी गम 2 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि करण जौहर इस मूवी से बतौर डायरेक्टर कमबैक करने जा रहे हैं। 25 साल पहले आई इस मूवी का सीक्वल कब बनेगा और कौन होगा, जानिए-

कभी खुशी कभी गम 2 के बारे में जानकारी सामने आई है

साल 2001 में करण जौहर की डायरेक्टेड फिल्म कभी खुशी कभी गम रिलीज हुई थी। इसे यश जौहर ने प्रोड्यूस किया था और 3 घंटे 30 मिनट लंबी इस मूवी को लोगों का भरपूर प्यार भी मिला था। इसके गाने आज भी लोगों के जुबां पर बैठे रहते हैं। अब खबर है कि इस मूवी का पार्ट-2 भी बना रहे हैं। और इसके जरिए ही वह डायरेक्शन में कमबैक कर रहे हैं। चर्चा ये भी है कि प्रोजेक्ट की स्क्रिप्ट भी फाइनलाइज हो गई है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोर्स ने बताया है कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी जैसी रोमांटिक फैमिली कॉमेडी से मिली अपार सफलता के बाद करण जौहर अपनी अगली फैमिली-ड्रामा जॉनर मूवी के साथ वापसी करने का प्लान बना रहे हैं। कहा ये भी जा रहा है कि अब तक की उनकी सबसे बजट की फिल्म होगी और नए साल के शुरुआत में स्क्रिप्ट फाइनल करके उन्होंने लोगों की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।

खबरों के मुताबिक, इस फिल्म को धर्मा प्रोडेक्शन के बैनर तले बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की प्लानिंग हो रही है। प्री-प्रोडक्शन का काम 2026 के छमाही के आसपास शुरू होने की उम्मीद है। और शूटिंग साल के अंतर तक शुरू होने की संभावना है। एक सोर्ट ने ये भी बताया है कि ये एक हाई-ऑक्टेन फैमिली ड्रामा मूवी है। जिसमें बहुत रोमांटिक और इमोशनल एंगल भी है।

कभी खुशी कभी गम 2 की कास्ट

फिल्म की कास्ट के बारे में ये बताया गया है कि इसमें दो मेन लीड एक्टर और दो मेन लीड एक्ट्रेस होंगी। कास्टिंग का प्रॉसेस भी जल्द शुरू होगा। यह धर्मा प्रोडक्शंस की सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली बड़ी फिल्म होगी। इसका नाम कभी खुशी कभी गम 2 होगा। लेकिन पुष्टि नहीं हुई है। कभी खुशी कभी गम में शाहरुख खान, काजोल, ऋतिक रोशन, करीना कपूर, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार थे। 14 दिसंबर, 2001 में ये रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

क्या 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा? एक्टर्स ने बताई सच्चाई

फिल्म 'गली बॉय' से सुर्खियों में आए अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वी शांताराम' को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, इस बीच पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ये चर्चा तेज है कि सिद्धांत चतुर्वेदी अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ विजय देवरकोंडा की फिल्म 'डियर कॉमरेड' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। दोनों स्टार्स की कास्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं फैलने लगीं। अब दोनों स्टार्स ने खुद इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सभी तरह की चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

फिलहाल कोई रीमेक नहीं

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सबसे पहले इन अफवाहों पर अपना रुख स्पष्ट किया। 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की खबरों को खारिज करते हुए सिद्धांत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की। इस स्टोरी में अभिनेता ने लिखा, 'दोस्तों, मैं स्पष्ट कर दूं कि यह सच नहीं है। अब मेरे लिए कोई रीमेक नहीं, हालांकि मैं मूल फिल्म और अभिनेताओं का प्रशंसक हूं, बहुत सारा प्यार और सम्मान। धन्यवाद।' इस स्टोरी के जरिए सिद्धांत ने इन खबरों पर तो विराम लगाया ही, साथ ही ये भी स्पष्ट कर दिया कि वो फिलहाल अब किसी भी रीमेक फिल्म में काम नहीं करना चाहते।

प्रतिभा रांटा के साथ काम करना चाहते हैं सिद्धांत

हालांकि, सिद्धांत ने इस दौरान प्रतिभा रांटा के साथ काम करने की इच्छी भी जताई। अपनी स्टोरी में उन्होंने आगे लिखा, 'मैं बेहद प्रतिभाशाली प्रतिभा रांटा के साथ किसी ऐसे प्रोजेक्ट पर काम करना चाहूंगा, जो नई कहानी हो। इसका बेसब्री से इंतजार है।' जाहिर है कि सिद्धांत किसी रीमेक की बजाय एक नई कहानी पर काम करना चाहते हैं।

सिद्धांत आखिरी बार 'धड़क 2' में नजर आए थे

वर्कफ्रंट की बात करें तो सिद्धांत को आखिरी बार 'धड़क 2' में देखा गया था। समीक्षकों द्वारा सराही गई ये फिल्म तमिल फिल्म 'परियेरुम पेरुमल' का रीमेक थी। जबकि प्रतिभा रांटा आखिरी बार 'लापता लेडीज' में ही नजर आई थीं। अब वो द रिवोल्यूशनरीज नाम की वेब सीरीज में नजर आएंगी।

प्रतिभा रांटा ने भी दिया रिएक्शन

सिद्धांत चतुर्वेदी की तरह ही प्रतिभा रांटा ने भी 'डियर कॉमरेड' में अपनी कास्टिंग की चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, एक्ट्रेस ने इन खबरों का खंडन या इनकी पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने अपने नाम पर फैलाई जा ही गलत खबरों पर जरूर अपनी प्रतिक्रिया दी। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'मैं सभी मीडिया पेजों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि कृपया किसी भी अपुष्ट जानकारी को प्रकाशित या प्रसारित करने से बचें। आधिकारिक घोषणा का इंतजार करें। मेरे साथ काफी समय से ऐसा हो रहा है, कई ऐसे प्रोजेक्ट्स में जिनसे मैं जुड़ी नहीं हूं, जिससे अक्सर अनावश्यक भ्रम पैदा होता है। इस मामले में आपकी समझ, सहयोग और निरंतर समर्थन के लिए मैं वास्तव में आभारी रहूंगी।' जाहिर है कि प्रतिभा रांटा ने सिद्धांत की तरह साफ तौर से इस बात से इंकार नहीं किया कि वो रीमेक में नजर नहीं आएंगी। बल्कि उन्होंने आधिकारिक घोषणा होने का इंतजार होने की बात कही है।

आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट बोला- आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी

वे हादसों का कारण बनते हैं, बच्चे-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई जारी है। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स और इंस्टीट्यूशनलाइज्ड डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, बात सिर्फ काटने की नहीं है, कुत्तों से खतरा भी होता है। दुर्घटनाओं का खतरा। आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते।

बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने कहा- कुत्ते ने किसी को काटा है, तो आप एक सेंटर को कॉल करें, उसे ले जाया जाएगा, उसकी नसबंदी की जाएगी और उसे वापस उसी इलाके में छोड़ दिया जाएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं।

कल कोई सोसाइटी में भैंस ले आया, तो क्या करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा। मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा,

लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।

हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। इसके बाद इसे रोक दिया गया। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी।

कर्नाटक में बीजेपी का आरोप, महिला कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली में महिला कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के दौरान हुए हंगामे ने राजनीतिक रंग ले लिया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनकी कार्यकर्ता के साथ मारपीट की और गिरफ्तारी के दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए। वहीं, पुलिस ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि महिला ने खुद अपने कपड़े उतारे और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। हुबली के चालुक्य नगर में सर्वे को लेकर लोगों और अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि गाली-गलौज और मारपीट की नौबत तक आ गई। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित तीन अलग-अलग केस दर्ज किए। इसी कड़ी में 5 जनवरी को पुलिस जब आरोपी महिला को हिरासत में लेने पहुंची, तब ये हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें महिला कार्यकर्ता बस के अंदर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों से घिरी दिख रही है। भाजपा का दावा है कि जब महिला ने गिरफ्तारी का विरोध किया, तब पुलिस ने उनके साथ बदसलूकी कर मारपीट की और उनके कपड़े तक फाड़ दिए। हुबली के पुलिस कमिश्नर शशि कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने घटना का दूसरा पक्ष रखा। कमिश्नर के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान महिला ने जबरदस्त विरोध किया और एक सब-इंस्पेक्टर को दांत से काट लिया। साथ ही अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी हाथापाई की। पुलिस का कहना है कि महिला ने पुलिस वाहन में ले जाते समय विरोध जताने के लिए खुद अपने कपड़े उतार दिए थे। कमिश्नर ने बताया कि हमारे महिला स्टाफ ने ही लोगों की मदद से कपड़े मंगवाए और उन्हें पहनाए.

26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, दक्षिण-बस्तर और एओबी इलाके में थे सक्रिय

सुकमा (एजेंसी)। नक्सलियों के बटालियन नंबर-1 के कमांडर इन चीफ देवा बारसे के सरेंडर के बाद अब यह टीम भी पूरी तरह बिखर चुकी है। देवा के साथ काम करने वाले नक्सलियों ने सुकमा में सरेंडर कर दिया है। जिसमें 7 महिला समेत 26 नक्सली शामिल है। इन नक्सलियों पर 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें से कुछ नक्सली एओबी, दक्षिण बस्तर और माड़ डिवीजन में भी सक्रिय रहे है। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों में सीवायपीसीएम कैडर का 1, डीवीसीएम- 1, पीपीसीएम- 3, एसीएम- 3 और 18 नक्सली पार्टी मेंबर हैं। ये सभी नक्सली सुकमा, माड़ क्षेत्र और ओडिशा क्षेत्र में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं। इनमें 1 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का इनाम घोषित था। सुकमा जिले के एसपी किरण चव्हाण ने कहा कि, लगातार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। आज 26 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। नक्सल संगठन कमजोर पड़ा है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को 50-50 रुपए प्रोत्साहन राशि दी गई है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की है कि समय रहते हथियार डाल दें। हिंसा का रास्ता छोड़ दें।

छात्रा से छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने की सजा.... एक वर्ष की जेल

आगरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के आगरा में छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने वाले आरोपित को न्यायालय ने एक वर्ष की सजा सुनाई है। पीड़िता उसके स्वजन द्वारा कई बार समझाने के बाद भी आरोपित मंजीत राठौर ने अपनी हरकत बंद नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता ने उसके विरुद्ध सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मृत्युंजय श्रीवास्तव ने आरोपित को एक वर्ष की सजा एवं दो हजार रुपये के जुर्माना लगाया। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जेल में बंद है। सदर क्षेत्र निवासी पीड़िता ने जनवरी 2025 में आरोपित मंजीत राठौर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता के अनुसार तीन वर्ष से स्कूल एवं कोचिंग जाने के दौरान उसका पीछा करके परेशान कर रहा था। कभी उसकी साइकिल पंचर कर देता, उसके घर की कुंडी खटखटा देता था। आरोपित मंजीत उस पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता और उसके स्वजन ने समझाने का प्रयास किया, आरोपित के स्वजन ने भी दुबारा शिकायत का मौका नहीं देने का आश्वासन दिया। इसके बाद भी आरोपित की हरकत बंद नहीं हुई, तब पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जिला जेल में बंद है। उसके विरुद्ध आठ अप्रैल 2025 को आरोप तय हुए थे। अभियोजन की ओर से पीड़िता उसकी मां, उप निरीक्षक शिवम मिश्रा, लोकेन्द्र सिंह, पुलिसकर्मी सौरभ कुमार को गवाही के लिए न्यायालय में पेश किया गया। सीजेएम मृत्युंजय श्रीवास्तव ने गवाहों के बयान एवं अभियोजन के तर्क पर आरोपित को सजा सुनाई।

अंकिता भंडारी मामले में भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंकिता भंडारी मामले में नाम उछाले जान के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचे भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आरोपों को मानहानिकारक मानकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अन्य सोशल मीडिया हैंड्ल्स को गौतम से जुड़े कॉटेंट को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने साफ किया कि यदि गौतम का नाम उछालना जारी रखा गया, तब अंजाम भुगतना होगा। अदालत ने कांग्रेस, आप और अन्य प्रतिवादियों को अंकिता मामले में गौतम को वीआईपी बताने संबंधी किसी भी तरह की सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से रोक दिया है। साथ ही अदालत ने आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि संतुलन की सुविधा (बैलेंस ऑफ कन्वीनियंस) वादी के पक्ष में है।

मनी लॉन्ड्रिंग कानून को चुनौती देने से कुछ नहीं होगा आम आदमी की तरह ट्रायल का सामना करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण और सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न और प्रभावशाली लोग कानून की प्रक्रिया का सामना करने के बजाय, अक्सर केस दर्ज होते ही उस कानून की वैधता को ही चुनौती देने के लिए अदालत का रुख करते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने इस बढ़ते हुए रुझान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे एक दुर्लभ और चिंताजनक ट्रेंड करार दिया है। यह मामला तब सामने आया जब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका एक हाई-प्रोफाइल हेलीकॉप्टर सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी द्वारा दाखिल की गई थी, जिसमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के कुछ विशेष प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब किसी मामले का ट्रायल चल रहा हो, तब प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा कानून को चुनौती देना न्याय प्रक्रिया में बाधा जैसा है। पीठ ने याचिकाकर्ता को दो टूक शब्दों में निर्देश दिया कि वे किसी भी सामान्य नागरिक की तरह कानूनी ट्रायल का सामना करें।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए तर्क दिया कि इस कानून के प्रावधानों को पहले ही कई अन्य याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी जा चुकी है, जो अभी लंबित हैं। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि आर्थिक अपराधों में शामिल प्रभावशाली लोगों द्वारा कानूनी पेचीदगियों का सहारा लेकर कार्यवाही में देरी करने की कोशिशों को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। इससे पूर्व भी कुछ राजनीतिक हस्तियों द्वारा इसी तरह की चुनौतियां दी गई थीं, जिन्हें लेकर न्यायालय का रुख अब और अधिक स्पष्ट और सख्त दिखाई दे रहा है।

भारतीय किसान यूनियन के दो गुटों में फूट... डल्लेवाल के खिलाफ हुआ सिद्धूपुर गुट

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति और किसान आंदोलनों में सक्रिय रहने वाली भारतीय किसान यूनियन (एकता-सिद्धूपुर) को दो गुटों में बंट गई। किसान संगठन के आठ जिलों के अध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मौजूदा अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल के खिलाफ बगावत शुरु कर दी है। नाराज गुट ने संगठन के संस्थापक पिशोरा सिंह सिद्धूपुर के बेटे दलबीर सिंह सिद्धूपुर को अपना नया संयोजक बनाया है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर हुई हवा प्रदूषित...एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आ गया है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज हुआ। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक दिखाई दी। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 309, सेक्टर-62 पर 269, सेक्टर-1 में 312 और सेक्टर-116 में 324 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

गाजियाबाद के इलाकों में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा गंभीर दिखाई दिया। लोनी में एक्यूआई 385, वसुंधरा में 344, संजय नगर में 286 और इंदिरापुरम में 244 एक्यूआई दर्ज हुआ, जो दिखाता है कि औद्योगिक और रिहायशी दोनों क्षेत्रों में हवा सांस लेने लायक नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में चली तेज हवाओं के कारण स्मॉग और प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिली है। 7 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह और दोपहर के समय घना कोहरा छाया रहा, जबकि दिनभर 'कोल्ड डे' की स्थिति बनी रही। 8 जनवरी को भी घने कोहरे का पूर्वानुमान है और 9 जनवरी तक मध्यम कोहरा बने रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ेगी और कोहरे की समस्या बनी रहेगी।

मध्यप्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पीने का पानी इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं

जल जीवन मिशन की नई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोपाल (ईएमएस)। इंदौर के भागीरथपुरा में काल बने पीने के पानी ने अब तक 20 लोगों की जान गई हैं और जो इससे बच गए, उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना में मोहन सरकार कटघरे में है। वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर हावी है। इस बीच मध्य प्रदेश के गांवों में पीने के पानी पर आई एक रिपोर्ट ने सभी को हैरान कर दिया। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन की नई रिपोर्ट से साफ होता है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में एक-तिहाई से अधिक पीने का पानी इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में पानी के केवल 63.3 प्रतिशत नमूने ही गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरे, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 76 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में 36.7 प्रतिशत पानी के नमूने असुरक्षित मिले हैं। इसमें हानिकारक बैक्टीरिया (कीटाणु) या रासायनिक मिलावट मिली है। ये नमूने सितंबर-अक्टूबर 2024 के दौरान मध्य प्रदेश के 15,000 से अधिक ग्रामीण घरों से इकट्ठा किए गए थे।

यह स्थिति उन जगहों पर और अधिक खराब है, जो सुरक्षा और इलाज के लिए बनी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में पानी के केवल 12 प्रतिशत नमूने ही सूक्ष्मजीवविज्ञानी सुरक्षा जांच में पास हो पाए, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 83.1 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि मध्य प्रदेश के लगभग 88 प्रतिशत अस्पतालों में मरीजों को

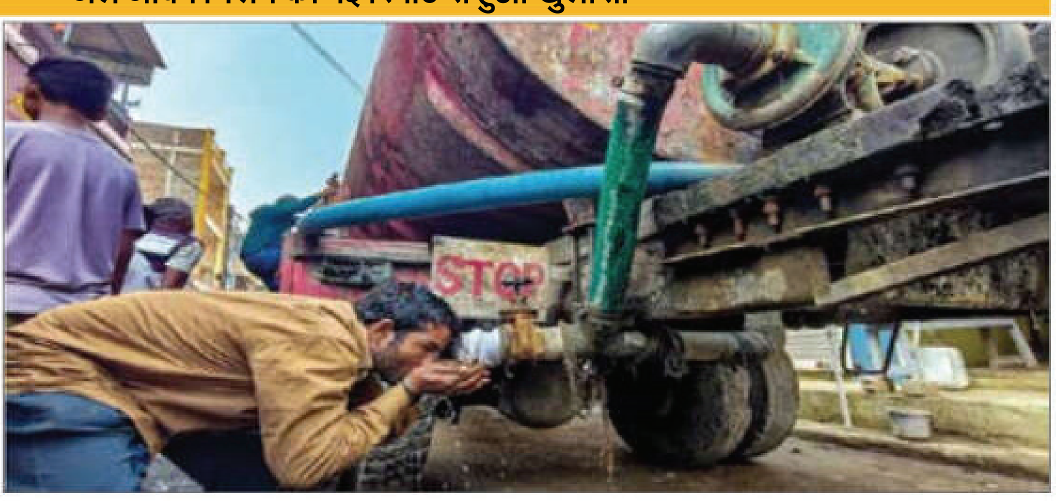

असुरक्षित पानी दिया जा रहा है। स्कूलों में 26.7 प्रतिशत नमूने माइक्रोबायोलॉजिकल टेस्ट में फेल हो गए, जिससे बच्चे हर दिन दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

प्रदेश के अनूपपुर और डिंडोरी जैसे आदिवासी बहुल जिलों में स्थिति बहुत भयावक है, जहां एक भी पानी का नमूना सुरक्षित नहीं आया है। बालाघाट, बैतूल और छिंदवाड़ा में 50 प्रतिशत से अधिक पानी के नमूने दूषित मिले हैं। मध्य प्रदेश में केवल 31.5 प्रतिशत घरों में नल के कनेक्शन हैं, जो कि 70.9 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां पाइपलाइन बिछी भी है, वहां व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, राज्य के 99.1 प्रतिशत गांवों में पाइप से जलापूर्ति की व्यवस्था है, लेकिन केवल 76.6 प्रतिशत घरों में ही चालू हालत में नल लगे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि हर चौथे घर में या नल खराब है या पानी ही नहीं आता।

इससे भी बदतर बात यह है कि नल से पानी आने का मतलब सुरक्षित पानी होना नहीं है। इंदौर जिला, जिसे आधिकारिक तौर पर 100 प्रतिशत नल कनेक्शन वाला घोषित किया गया है, वहां भी केवल 33 प्रतिशत घरों को ही सुरक्षित पीने का पानी मिल रहा है। पूरे राज्य में 33 प्रतिशत पानी के नमूने गुणवत्ता जांच में फेल हो गए, जो इसकी पुष्टि करता है कि संकट केवल पानी की पहुंच का नहीं, बल्कि जहरीली सप्लाई का है। केंद्र सरकार ने इस स्थिति को सिस्टम की ओर से पैदा की गई आपदा करार देकर चेतावनी दी है कि यदि पानी की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ, तब इस साल फंड (बजट) में कटौती की जा सकती है।

यह चेतावनी एक बड़ी त्रासदी के बाद आई है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 20 लोगों की मौत हो गई। 429 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिसमें से 16 आईसीयू में हैं और तीन वेंटिलेटर पर हैं। अब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने औपचारिक रूप से इस संकट को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी (सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल) घोषित कर दिया है।

चरखी दादरी में एड्स का बढ़ता खतरा, जागरूकता व जांच अभियान शुरू

गुरुग्राम (एजेंसी)। चरखी दादरी जिले में एचआईवी/एड्स संक्रमितों की संख्या 500 के पार पहुंचने के बाद हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिले में वर्तमान में 504 सक्रिय मामले सामने आए हैं, जिसके मद्देनजर हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के सहयोग से 12 दिवसीय जांच एवं जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ 5 जनवरी को सिविल सर्जन एवं सीएमओ डॉ. नरेश कुमार ने अभियान नोडल अधिकारी डॉ. सुमन तंवर की मौजूदगी में किया। अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को एचआईवी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पहले दिन संयुक्त टीम सांवड़ गांव पहुंची, जहां नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हेल्थ कैंप लगाकर ग्रामीणों की एचआईवी जांच की। इसके बाद 6 जनवरी को रानीला गांव और 7 जनवरी को चरखी गांव में

अभियान चलाया गया। अभियान का समापन 16 जनवरी को शहर की वाल्मीकि बस्ती में किया जाएगा। इस दौरान टीम कुल 11 गांवों और एक शहरी क्षेत्र में पहुंचेगी। कैंपों में एचआईवी जांच पूरी तरह निःशुल्क की जा रही है, जबकि बाहर जांच कराने पर शुल्क देना पड़ता है। साथ ही लोगों की काउंसिलिंग भी की जा रही है ताकि एचआईवी से जुड़े भ्रम दूर किए जा सकें। जांच कराने वाले व्यक्तियों की रिपोर्ट पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इस 12 दिवसीय अभियान की रूपरेखा का शेड्यूल हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी की ओर से तय किया गया है। दादरी जिले की बात करें तो अभियान के तहत टीम 11 गांवों और एक शहरी क्षेत्र में पहुंचेगी। सीएमओ ने बताया कि जो लोग अभियान से जुड़कर अपनी जांच कराएंगे उनकी रिपोर्ट गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में एचआइवी संक्रमितों को सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है।

सीएमओ डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि एचआईवी संक्रमितों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही अभियान के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत भी लोगों को जागरूक कर लिंगानुपात में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। यह अभियान जिले में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे... शाह का ये आरोप सरासर गलत : स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान कर उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री शाह का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में

भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी।

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने कहा, ''जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।' दरअसल केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में जनसभा के दौरान द्रमुक पर हिंदू धर्म और हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अपमानित करने का आरोप लगाया था। शाह ने हिंदुओं पर हुए 'अत्याचारों' को लेकर स्टालिन सरकार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू पूजा-पाठ के तरीकों का 'अपमान' किया जा रहा है और दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर भूमि पूजा के दौरान राज्य में 'अघोषित कर्फ्यू लगाया गया था'। शाह ने कहा, ''उनके (द्रमुक के) वरिष्ठ नेता सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। हिंदू शोभायात्राओं और विसर्जन (हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन) पर रोक लगा दी गई है। मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं कि आपने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करके संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार भले ही हों, भारत से है फिर भी बहुत पीछे

-गिनती से नहीं तेजी से हथियार इस्तेमाल से मापी जाती है परमाणु ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया, लेकिन यह जीत किसी क्रिकेट मैच या फिर अर्थव्यवस्था की रैंकिंग की नहीं है। यह रेस है तबाही के सबसे बड़े हथियार यानी परमाणु बम की। इस बार फर्क सिर्फ संख्या का नहीं रणनीति का है। दूसरा विश्व युद्ध जापान के हिरशिमा और नागासाकी में हुआ। अमेरिका के दो परमाणु बम, लिटिल बॉय और फैट मैन पूरे शहर राख बन गए। लाखों लोग मारे गए। जो बचे वो पीढ़ियों तक बीमारियों से जूझते रहे हैं। इसके बावजूद दुनिया ने परमाणु हथियारों से दूरी नहीं बनाई बल्कि एक नई परमाणु दौड़ शुरू कर दी है। दावा किया जाता है कि परमाणु हथियार युद्ध रोकते हैं क्योंकि कोई भी देश इतना बड़ा जोखिम नहीं लेना चाहता।

सच्चाई यह है कि अगर यह हथियार चले तो युद्ध नहीं पूरी मानवता खत्म हो जाएगी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी कि एसआईपीआरआई सिपरी ने अपनी 2025 की रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में जनवरी 2025 तक दुनिया के परमाणु हथियारों की पूरी तस्वीर सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 180 परमाणु हथियार, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार, चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार, रूस के पास 5459 और अमेरिका के पास 5177 परमाणु हथियार हैं यानी अमेरिका सबसे आगे है। चीन भले ही भारत से बहुत आगे है लेकिन भारत उतनी ही तेजी से परमाणु हथियार डेवलप कर रहा है।

भारत और पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों की संख्या में करीब-करीब बराबर है या फिर आसपास है लेकिन चीन बहुत आगे है। अब सवाल है फिर भी भारत कैसे आगे? क्योंकि कहा जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। क्योंकि परमाणु ताकत सिर्फ गिनती से नहीं मापी जाती है। असल पैमाना है कितनी तेजी से हथियार इस्तेमाल हो सकता है। कितनी दूर तक मार कर सकता हैं। कितने सुरक्षित और भरोसेमंद है और यहीं से भारत की रणनीतिक बढ़त शुरू हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2024 में परमाणु हथियारों में गुणात्मक बदलाव किया। भारत की नीति थी परमाणु हथियार अलग, लांचर अलग, शांति काल में अलग-अलग भंडार, लेकिन अब मिसाइलें कैनिस्टर्स में सील होती है। हमेशा तैयार रहती हैं। जल्द लॉन्च होती है। ज्यादा सुरक्षित होती हैं। इसका मतलब तेज परमाणु प्रतिक्रिया दुश्मन को कोई मौका नहीं मिलेगा और भरोसेमंद डेट्रेंस। यहीं पर भारत को पाकिस्तान पर बढ़त मिल जाती है। पाकिस्तान को लेकर दुनिया भर में एक सवाल हमेशा उठता है, क्या पाकिस्तान के परमाणु हथियार सुरक्षित हाथों में है?

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com